R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 अंक : 89 पेज: 8 जयपुर, मंगलवार, 10 मार्च 2026 मूल्य: 1.50 रुपये

खबर संक्षेप

कमजोर पड़ रही भारत की वैश्विक मौजूदगी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध को लेकर केंद्र सरकार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा इस संकट के बीच भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी और भूमिका खत्म होती दिखाई दे रही है। राउत ने यह बात शिवसेना के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम 'रोकठोक' में लिखी।

कांग्रेस की 'गुलाम' है द्रमुक : पलानीस्वामी

इरोड। अन्नाद्रमुक प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रमुक अपने सहयोगी दल कांग्रेस की 'गुलाम' है। पलानीस्वामी ने पेरुंदुरई में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अंततः कांग्रेस ने द्रमुक को धमकाया। विधानसभा चुनावों के लिए 28 सीटें हासिल कर ली।

28 करोड़ जनधन खाते महिलाओं के पास

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच ने महिलाओं को असली आजादी तक पहुंचने में मदद की है। 'एक्स' पर लिख जनधन खाता और लखपति दीदी जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत कर रही हैं। देश में अब तक 57.71 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं।

भागलपुर में 5 बच्चे डूबे 2 ने तैरकर बचाई जान

भागलपुर। बिहपुर प्रखंड के हरियो पंचायत अंतर्गत हरियो कोसी त्रिमुहान घाट के पास नदी स्नान करने के दौरान 5 बच्चे डूब गए। 2 बच्चे जैसे-तैसे पानी से निकलने में सफल रहे। वहीं 3 बच्चों को नदी में स्थानीय गोताखोरों द्वारा तलाश जारी है। जिन बच्चों की पानी में तलाश की जा रही है, उसमें लक्ष्मण कुमार एवं नयन कुमार और युवराज शामिल हैं।

शाह का निजी सचिव बताकर की ठगी, अरेस्ट

मुंबई। यहां की पुलिस की क्राइम ब्रांच ने खुद को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का निजी सचिव बताकर लोगों को ठगने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 41 वर्षीय मोहम्मद तारिक पठान के रूप में हुई है, जो रत्नागिरी जिले के खेड़ का निवासी है। पुलिस ने उसे नवी मुंबई के वाशी स्थित एपीएमसी मार्केट के पास एक होटल से गिरफ्तार किया।

इंदौर में मिसाइलों से उड़ा गुलाल, रंगीन हो गया आकाश

रंगों और गुलाल से सराबोर रहा देश का 'दिल' एमपी

इंदौर (एजेंसी)। रंगपंचमी पर्व पर रविवार को मध्य प्रदेश रंगों और गुलाल से सराबोर रहा। इंदौर में टोरी कॉर्नर की गेर में तीन टैंकरों पर मिसाइलें लगाकर रंग बरसाया गया। ऑपरेशन सिंदूर की याद में टैंक से रंगीन पानी की बौछार की गई।

● हाथी की सूंड, टैंक से रंगों की बौछार, चलती रहीं झांकियां

नगर निगम की गेर में हाथी की प्रतिकृति की सूंड से रंगीन पानी लोगों पर डाला गया। इतना गुलाल उड़ा कि आकाश रंगीन नजर आने लगा। मॉरल क्लब समिति की गेर में 15 ब्लोअर मशीनें, 6 डीजे गाड़ियां, एक बड़ी बोरिंग मशीन और 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर अलग-अलग झांकियां चलती रहीं। संगम कॉर्नर समिति की गेर में बरसाना की टीम ने लट्ठमार होली खेली। राधा-कृष्ण की जोड़ी ने रास रचाया। युवाओं की टोली होली गीत और देशभक्ति के तरानों पर नाचती-झूमती रही। इससे पहले रंगोत्सव की शुरुआत उज्जैन में बाबा महाकाल को केसरयुक्त जल अर्पित करके की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ध्वज पूजन किया। बाबा का अभिषेक करने के बाद प्रदक्षिणा की। तलवारबाजी के जौहर भी दिखाए। फिर संतनगर की गेर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों पर फूल और गुलाल बरसाए। होली गीतों पर दोनों हाथ उठाकर थिरकते नजर आए। उज्जैन में संत नगर की गेर में सीएम यादव के पहुंचने से पहले किसी ने पटाखा फोड़ दिया। अचानक फोड़े गए इस पटाखे की आवाज सुनकर हल्की भगदड़ की स्थिति बन गई।

थाईलैंड के 'खोन' नृत्य में दिखती है रामायण की झलक

● यूनेस्को भी है थाई देश की इस अनोखी कला का कायल ● यह भारतीय रामायण के थाई रूप 'रामाकियन' पर है आधारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की संस्कृति बेहद समृद्ध है, और उसकी राष्ट्रीय पहचान का एक बहुत बड़ा और गौरवपूर्ण हिस्सा है 'खोन' नृत्य। यह सिर्फ एक साधारण डांस नहीं है, बल्कि इसमें बेहतरीन अभिनय, सुरीला संगीत, साहित्य और मनमोहक दृश्यों का एक अद्भुत संगम देखने को मिलता है। इस खूबसूरत कला की शुरुआत लगभग 17वीं शताब्दी में हुई थी। शुरुआती दौर में खोन नृत्य केवल राजा-महाराजाओं के शाही दरबारों तक ही सीमित था। इसे खास तौर पर शाही पूजा-पाठ और बड़े समारोहों के दौरान ही प्रस्तुत किया जाता था। हालांकि, वक्त के साथ इस कला ने राजमहलों की चारदीवारी से बाहर निकलकर राष्ट्रीय मंचों तक अपना सफर तय किया। इतने बदलावों के बावजूद, इसमें आज भी प्राचीन थाई कला की शुद्धता और प्रभाव पूरी तरह बरकरार है। इस थाई नृत्य का हमारी भारतीय संस्कृति से भी गहरा नाता है। खोन नृत्य की ज्यादातर प्रस्तुतियां 'रामाकियन' पर आधारित होती हैं, जो भारतीय महाकाव्य रामायण का ही थाई रूप है। इस प्रस्तुति में थाई संस्कृति के नजरिए से फ्रा राम (भगवान राम), सीदा (माता सीता) और तोसाकन (रावण) जैसे मुख्य किरदारों की कहानी को मंच पर जीवंत किया जाता है।

रहस्यमयी मुखौटे और पारंपरिक संगीत

इस नृत्य की सबसे बड़ी और आकर्षक खूबी इसके रंग-बिरंगे और बेहद बारीकी से डिजाइन किए गए मुखौटे हैं। सभी कलाकार इन सजे-धजे मुखौटों को पहनकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। इन मुखौटों के हर रंग और हर एक आकार का अपना एक खास प्रतीकात्मक मतलब होता है। इस पूरी प्रस्तुति के दौरान मंच पर एक कथावाचक दर्शकों को कहानी सुनाता है, जबकि पीछे से 'पिफट' नाम का पारंपरिक वाद्यवृंद अपने संगीत से पूरे माहौल को जादुई बना देता है।

सीएम नीतीश के पुत्र निशांत की सियासी पारी शुरू

निशांत जदयू में शामिल, राज्य की करूंगा सेवा, पिताजी के विश्वास को कायम रखें

जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार जनता दल यूनाईटेड में शामिल हो गए हैं। वीर चंद्र पटेल रोड स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में हजारों कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार वहां मौजूद नहीं थे। निशांत ने कहा कि मैं जदयू के कार्यकर्ता, नेता और बिहार की जनता को नमन करता हूं। मैं एक कार्यकर्ता के रूप में सेवा करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बिहार और देश की जनता से अपील करता हूं कि पिताजी पर विश्वास बनाए रखें। निशांत ने वरिष्ठ नेताओं के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया।

'निशांत के साथ, विकास का नया शंखनाद'

जेडीयू के कई कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी मुख्यालय और राज्य की राजधानी के अन्य प्रमुख क्षेत्रों के पास बैनरों और पोस्टरों में भी यही बात दोहराई गई। एक पोस्टर में था विकसित बिहार के नए अध्याय की शुरुआत। एक में निशांत के साथ, विकास का नया शंखनाद।

पिताजी के कार्य को आगे बढ़ाऊंगा

निशांत ने कहा कि मेरे पिता ने बिहार की जनता के लिए जो काम किया है, उसे मैं आगे बढ़ाने का काम करूंगा। आप सब ने जो विश्वास किया, खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा।

कल से यात्रा पर निकलेंगे सीएम नीतीश

नीतीश की प्रस्तावित 'समृद्धि यात्रा' को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। वे 10 मार्च से कई जिलों के दौरे पर निकलेंगे और विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ स्थानीय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेंगे। 11 को वे अररिया और किशनगंज में, 12 को पूर्णिया और कटिहार तो 13 मार्च को वे सहरसा और खगड़िया में शामिल होंगे। अंतिम चरण में 14 मार्च को बेगूसराय और शेखपुरा जाएंगे।

महिला दिवसः 'साड़ी वॉकथॉन 2026'

ठाणे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र के ठाणे में रविवार को 'साड़ी वॉकथॉन 2026' में महिलाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सशक्तिकरण और हथकरघा परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक साड़ियों में वॉक किया।

राष्ट्रपति के साथ टीएमसी के टकराव पर भाजपा का हमला

सिर्फ घुसपैठियों का स्वागत, अब संविधान खतरे में नहीं...

बंगाल में राष्ट्रपति के साथ किया गया बर्ताव बेहद शर्मनाक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर दिए हालिया बयान पर उन्होंने निशाना साधा। रविशंकर ने कहा कि ममता बेनर्जी के शासन में बंगाल में घुसपैठियों का स्वागत किया जा रहा है। ममता संविधान के खतरे में होने की बात कर रही हैं, जबकि वे खुद राष्ट्रपति का सम्मान नहीं कर पाईं। राष्ट्रपति के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, वह बेहद शर्मनाक है। भारत के इतिहास में किसी भी राष्ट्रपति के साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। भाजपा नेता ने कहा कि राष्ट्रपति के अपमान की पार्टी कड़ी निंदा करती है।

ममता माफिया, जिहादियों और घुसपैठियों की कायदेआजम

कोलकाता। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने उत्तर 24 परगना जिला के नैहाटी विधानसभा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ममता बेनर्जी बंगाल में राष्ट्रपति और राज्यपाल का विरोध करती हैं, तो घुसपैठियों व माफिया का स्वागत करती हैं। ममता राज्य की मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि माफिया, जिहादियों और घुसपैठियों की कायदेआजम हैं। बंगाल से टीएमसी को जाना चाहिए।

शहजाद और भंडारी ने ममता की आलोचना की, सरमा ने भी कोसा

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला और प्रदीप भंडारी ने भी टीएमसी के रवैये को शर्मनाक बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी ममता को कोसा।

घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण, ममता ने प्रोटोकाल तोड़ा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने ममता को सीख देते हुए कहा कि राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ ही आदिवासी समाज से भी आती हैं। ममता ने प्रोटोकाल का पालन नहीं किया।

पंजाब में बजट पेश

महिलाओं को हर माह 1000 एससी को 1500 रुपए देंगे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मान सरकार ने बजट पेश किया। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने मावां-धीयां सत्कार योजना का ऐलान किया। 97 फीसदी महिलाओं को हर महीने हर महीने 1000 की राशि मिलेगी। एससी की महिलाओं को 500 रुपए अधिक देने का ऐलान किया है।

पात्रता की शर्तें भी लगाई

मावां-धीयां सत्कार योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला योजना के पंजीकरण के लिए पात्र होंगी। मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, जैसे वृद्धावस्था पेंशन या विधवा निराश्रित महिला पेंशन या विकलांगता पेंशन योजना के तहत पंजीकृत महिलाएं भी इस योजना के तहत पात्र होंगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा या पूर्व स्थायी सरकारी कर्मचारी, मौजूदा और पूर्व सांसद/विधायक और आयकर दाता अपात्र होंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

जेन-जी का वैचारिक 'यू-टर्न': आधुनिकता के दौर में फिर बढ़ी 'आज्ञाकारी पत्नी' की चाहत, बुजुर्गों से भी ज्यादा रूढ़िवादी हुए युवा पुरुष

- इप्सोस और किंग्स कॉलेज लंदन की 29 देशों में बड़ी रिसर्च; 33% युवा चाहते हैं फैसलों में पति की अंतिम रजामंदी, समानता के बढ़ते दबाव से पुरुष परेशान

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि 1997 के बाद पैदा हुई 'जेन-जी' (Gen-Z) पीढ़ी तकनीक और विचारों के मामले में सबसे आधुनिक और उदार है। लेकिन, इप्सोस और किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा 29 देशों के 23,000 लोगों पर किए गए एक वैश्विक सर्वे ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। शोध के चौंकाने वाले नतीजे बताते हैं कि आज के युवा पुरुष अपने दादा-परदादा (बेबी बूमर्स) के मुकाबले कहीं ज्यादा रूढ़िवादी और पारंपरिक सोच की ओर लौट रहे हैं।

आज्ञाकारिता की मांग: पुरानी पीढ़ी से भी आगे निकले युवा

सर्वे में यह बात सामने आई है कि पारिवारिक ढांचे और वैवाहिक जीवन को लेकर युवाओं की सोच अब पुरानी पीढ़ी से भी पीछे जा रही है।

पति की सत्ता: करीब 33% जेन-जी पुरुष मानते हैं कि पत्नी को पति की बात माननी चाहिए, जबकि 'बेबी बूमर' पीढ़ी (1946-64) में केवल 13% पुरुष ही ऐसा सोचते थे।

अंतिम फैसला: हर तीसरे युवा (33%) का कहना है कि घर के बड़े और अहम फैसलों में अंतिम सहमति केवल पति की ही होनी चाहिए।

युवतियों की राय: चौंकाने वाली बात यह है कि केवल लड़के ही नहीं, बल्कि 18% जेन-जी युवतियां भी यह मानती हैं कि पत्नी को पति की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

समानता का बोझ: 59% युवक बोले- उम्मीदें ज्यादा बढ़ीं

लैंगिक समानता (Gender Equality) के प्रयासों को लेकर नई पीढ़ी के पुरुषों में एक तरह का असंतोष और तनाव देखा जा रहा है।

भारी अपेक्षाएं: 59% जेन-जी पुरुषों का मानना है कि समानता के नाम पर अब उनसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें की जा रही हैं, जिससे वे दबाव महसूस कर रहे हैं।

महिलाओं का समर्थन: इस बात से 41% जेन-जी महिलाएं भी इत्तेफाक रखती हैं कि पुरुषों पर अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है।

सोच का विरोधाभास: सफल करियर पसंद, पर आजादी नहीं?

सर्वे में युवाओं की सोच का एक अजीबोगरीब दोहरापन (Paradox) भी निकलकर सामने आया है:

करियर का आकर्षण: 41% युवा मानते हैं कि सफल करियर वाली महिलाएं पुरुषों को ज्यादा 'आकर्षक' लगती हैं।

स्वतंत्रता पर अंकुश: दूसरी ओर, 24% जेन-जी पुरुष चाहते हैं कि महिलाएं बहुत ज्यादा स्वतंत्र या आत्मनिर्भर न दिखें। यानी वे एक सफल जीवनसाथी तो चाहते हैं, लेकिन उसकी स्वतंत्रता को एक दायरे में देखना पसंद करते हैं।

विशेषज्ञों की राय: आखिर क्यों बढ़ रही है रूढ़िवादिता?

'ग्लोबल इंस्टीट्यूट फॉर विमेन्स लीडरशिप' की निदेशक हीजुंग चुंग के अनुसार, युवाओं में अपनी सामाजिक स्थिति (Social Status) खोने का एक अनजाना डर समा गया है। उन्हें लगता है कि बढ़ती लैंगिक समानता उनके पारंपरिक अधिकारों को कम कर रही है। वहीं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई पीएम जूलिया गिलार्ड ने इसे गंभीर बताते हुए कहा है कि युवा पुरुष न केवल महिलाओं पर पाबंदियां लगा रहे हैं, बल्कि खुद को भी सख्त और पुराने सांचों में कैद कर रहे हैं।

जयंती विशेष

श्वेता गोयल

छत्रपति शिवाजी : दुर्गों के सम्राट, जनमन के देवता

भारतीय इतिहास के क्षितिज पर कुछ नाम ऐसे दैदीप्यमान नक्षत्र हैं, जो केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक अखंड युग की चेतना बन जाते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज इसी शौर्य-गाथा के वह रचयिता हैं, जिन्होंने घोर अंधकार और विपरीत परिस्थितियों के बीच न केवल 'स्वराज' का स्वप्न देखा, बल्कि अपनी अटूट संकल्प शक्ति से उसे धरातल पर साकार भी किया। वर्ष 1630 में शिवनेरी की दुर्गम गुंजायमान वादियों में जन्मा यह बालक केवल एक शासक बनने के लिए नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की धारा को मोड़ने के लिए अवतरित हुआ था। उन्होंने दासता की बेड़ियों को काटकर आने वाली पीढ़ियों के मानस में आत्मसम्मान और राष्ट्रवाद का वह अक्षय दीप प्रज्ज्वलित किया, जो आज भी अडिग है। भारतीय परंपरा में महापुरुषों की जयंती अक्सर हिंदू पंचांग की तिथि के अनुसार भी मनाई जाती है। पंचांग के अनुसार शिवाजी महाराज का जन्म फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया को हुआ था। इस वर्ष फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 6 मार्च को है, इसलिए शिवाजी जयंती कई स्थानों पर 6 मार्च को मनाई जाएगी। शिवाजी जयंती मात्र एक तिथि का उत्सव नहीं है, बल्कि उस 'हिंदवी स्वराज' के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है, जो साहस, सुशासन और नैतिक मूल्यों की आधारशिला पर खड़ा था। यह स्मरण है उस महानायक का, जिसने सिखाया कि जब स्वाभिमान और रणकौशल का मिलन होता है तो इतिहास स्वयं झुककर मार्ग देता है। शिवाजी का बचपन संघर्षों से घिरा था, परंतु वही संघर्ष उनकी शक्ति का आधार बना। उनके पिता शाहजी भोंसले बीजापुर सल्तनत में उच्च पदस्थ सेनानी थे, जबकि माता जीजाबाई धार्मिक, दृढ़निश्चयी और असाधारण साहस से संपन्न महिला थी। जीजाबाई ने बालक शिवाजी के मन में रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, न्याय और राष्ट्रप्रेम के संस्कार रोपे। वे केवल माता नहीं, उनके व्यक्तित्व की प्रथम शिल्पकार थी। शिवाजी के गुरु दादाजी कोंडदेव ने उन्हें प्रशासन, किलेबंदी और युद्धनीति की शिक्षा दी। इन दो सशक्त व्यक्तित्वों के मार्गदर्शन ने शिवाजी के भीतर एक ऐसे शासक को जन्म दिया, जो तलवार और नीति, दोनों में अद्वितीय था। किशोरावस्था में ही शिवाजी ने यह समझ लिया था कि विदेशी और अन्यायपूर्ण शासन के अधीन रहकर जनकल्याण संभव नहीं। मात्र पंद्रह वर्ष की आयु में शिवाजी ने स्वतंत्र मराठा राज्य की परिकल्पना की। 1645 में तोरणा किला पर विजय प्राप्त करना उनके स्वराज अभियान का प्रथम सशक्त उद्घोष था। यह केवल एक किले की जीत नहीं थी, बल्कि उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जिसने आगे चलकर एक साम्राज्य की नींव रखी। इसके बाद उन्होंने अनेक दुर्गों पर अधिकार कर अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार किया। प्रत्येक विजय उनकी रणनीतिक सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण थी। शिवाजी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी युद्धशैली थी। 'गणिमी कावा' अर्थात गुरिल्ला युद्धनीति ने उन्हें विशाल और सुसज्जित मुगल तथा आदिलशाही सेनाओं के लिए एक रहस्य और चुनौती बना दिया। वे छोटे-छोटे दलों में आक्रमण कर शत्रु को चौंकाते, उसकी रसद व्यवस्था को बाधित करते और फिर सुरक्षित स्थानों पर लौट जाते। इस युद्ध कौशल ने सिद्ध कर दिया कि विजय केवल सेना की संख्या से नहीं बल्कि रणनीति, मनोबल और नेतृत्व से प्राप्त होती है। मुगल सम्राट औरंगजेब के लिए शिवाजी एक ऐसी पहेली थे, जिसे वह कभी पूरी तरह सुलझा नहीं पाया। 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान के साथ प्रतापगढ़ में हुई भेंट इतिहास की अद्भुत घटनाओं में गिनी जाती है। शिवाजी ने अपने साहस और सूझबूझ से उस षड्यंत्र का अंत कर दिया, जो उनके जीवन अंत के लिए रचा गया था। 1674 में रायगढ़ किले में उनका भव्य राज्याभिषेक हुआ और वे 'छत्रपति' की उपाधि से अलंकृत हुए। यह केवल एक राजतिलक नहीं था बल्कि पराधीन मानसिकता के विरुद्ध स्वतंत्रता का औपचारिक उद्घोष था। आज जब हम शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर उन्हें स्मरण करते हैं तो यह केवल अतीत की वीरता को दोहराने का क्षण नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा ग्रहण करने का अवसर है। शिवाजी महाराज का जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियां भी महान नेतृत्व को जन्म दे सकती हैं और स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं बल्कि सांस्कृतिक आत्मगौरव और नैतिक साहस का नाम है तथा सच्चा शासक वही है, जो अपनी प्रजा के सुख-दुख को अपना समझे। छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन भारतीय अस्मिता का अमर प्रतीक है। उनका व्यक्तित्व इतिहास के पृष्ठों में सीमित नहीं है बल्कि जनमानस में जीवंत है।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग बहुमूल्य उपहार

संकलित

दर्शन

भारत ने जो विश्व को बहुमूल्य उपहार दिए हैं, योग उनमें से एक है। योग हमारी अंतर्जात क्षमताओं को जाग्रत करने और पूर्णता की उच्चतम स्थिति की प्राप्ति में सहायक है। लोहे का एक टुकड़ा चुंबक कैसे बन जाता है? जब लौह कण एक दिशा-विशेष में एकत्र हो जाते हैं, तब यह होता है। उसी प्रकार, यदि हम अपने मन को एक ही बिंदु पर-एक ही दिशा में एकाग्र करें तो हम असीम ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने एकाग्रता के साथ तप किया और इतनी शक्ति अर्जित की। जैसे सूर्य की किरणों को आवर्धक लेंस द्वारा एक बिंदु पर एकत्रित करें, तो रुई जल सकती है। यही बात हमारी आंतरिक शक्तियों पर भी लागू होती है। हम निष्ठापूर्ण एकाग्रता-शक्ति अर्थात योग द्वारा इनका आह्वान कर सकते हैं। योग हो या कोई अन्य साधना, सम्यक ज्ञान और मार्गदर्शन बहुत आवश्यक है। साथ ही, बाहरी व भीतरी अनुशासन भी बरतना चाहिए। बुरे कर्मों से बच कर, हम स्वस्थ विचार और दृष्टिकोण बनाएं और धर्मोचित कर्म करें। मूल्यों पर आधारित जीवन जिएंगे, तभी हमें योगाभ्यास का पूरा-पूरा लाभ प्राप्त होगा। योग हमारी बुद्धि,भावनात्मक मन एवं शरीर के लिए उपयोगी है। यह बिना दुखी हुए, हमें जीवन की समस्याओं से संतुलित रूप से निपटना सिखाती है। आइए, हम सब अपने प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा सिखाई गई इस अमूल्य विद्या को प्रोत्साहन देने एवं इसे लोकप्रिय बनाने का प्रयत्न करें।

ईमानदारी और आत्म सम्मान

संकलित

प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊंट दिखाई पड़ा। व्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊंट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट खरीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुंचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊंट बेचने वाला बहुत खुश था। बोला, अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामे के बाद ऊंट बेचने वाला भड़क गया, उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

बजट में महंगाई को तवज्जो नहीं

हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने प्रदेश के बजट में महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए महिला कल्याण के लिए 28,183 .06 करोड़ आवंटित किए हैं। हालांकि, इस बजट में महंगाई व रसोई को तवज्जो नहीं दी गई, जबकि यह अत्यंत जरूरी था। बजट में महंगाई पर लगाम लगाए जाने संबंधी कोई प्रावधान नहीं किया गया है। रसोई गैस व अन्य सामग्री सस्ती करने पर भी ध्यान नहीं दिया गया है। रही बात, महिला सशक्तीकरण की तो वह योजनाएं धरातल पर उतरने पर ही इनकी सार्थकता है। महिलाओं की सुरक्षा के साथ रोजगार के भी प्रावधान जरूरी हैं। इस मामले में नए महिला थाने व एंटी टेररिस्ट स्क्वायड में महिला कमांडो को शामिल करना सराहनीय कदम है।

-रूहिश, रोहतक

करंट अफेयर

युद्ध से इज़राइल को हर हफ्ते 3 अरब डॉलर का नुकसान

यरुशलम। ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण आर्थिक गतिविधियों पर मौजूदा प्रतिबंधों के चलते इजराइल को हर सप्ताह लगभग 9.4 अरब शेकेल (करीब तीन अरब अमेरिकी डॉलर) का नुकसान होने की संभावना है। इजराइली वित्त मंत्रालय ने यह चेतावनी दी है। "टाइम्स ऑफ इजराइल" की एक खबर के अनुसार, वित्त मंत्रालय के महानिदेशक इलान रोम ने होम फ्रंट कमांड प्रमुख मेजर जनरल शाई क्लैपर को भेजे पत्र में आर्थिक गतिविधियों पर लगे प्रतिबंधों में ढील देने का आग्रह किया है ताकि बृहस्पतिवार से कारोबार और कार्यस्थलों को आंशिक रूप से चरणबद्ध तरीके से खोला जा सके। रोम ने पत्र में कहा कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के अनुरूप रक्षा नीति बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को बंद रखने से भारी आर्थिक लागत उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा समाधान खोजने की जरूरत है जो घरेलू सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ-साथ अर्थव्यवस्था की जरूरतों को भी ध्यान में रखे। रोम ने यह भी उल्लेख किया कि पिछले ढाई वर्षों से सुरक्षा जरूरतों में बढ़ोतरी और युद्ध के प्रभावों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पहले ही भारी आर्थिक दबाव झेल रही है। इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के तुरंत बाद इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के होम फ्रंट कमांड ने पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे।

ऑफ बीट

अमेरिका में पहली बार गांधी की प्रतिमा का अनावरण

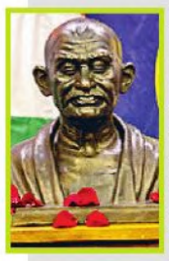

न्यूयॉर्क/सिएटल। अमेरिका के मोंटाना राज्य में पहली बार महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। अधिकारियों ने कहा कि महात्मा गांधी के अहिंसा के आदर्श वर्तमान विश्व व्यवस्था में बहुत आवश्यक हैं। मोंटाना के गवर्नर ग्रेग जियानफोर्ट ने सिएटल में भारत के महावाणिज्यदूत प्रकाश गुप्ता के साथ मिलकर इस आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया जो भारत सरकार की ओर से मोंटाना राज्य को उपहार स्वरूप दी गई है। सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंगलवार को मिसौला में मोंटाना विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित माइक मैन्सफील्ड सेंटर में यह आवक्ष प्रतिमा स्थापित की गई है। इस दौरान वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए जियानफोर्ट ने आवक्ष प्रतिमा को उपहार स्वरूप प्रदान करने के लिए वाणिज्य दूतावास के प्रति आभार व्यक्त किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत और मोंटाना के बीच मजबूत होते संबंधों को स्वीकार करते हुए जियानफोर्ट ने महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा के आदर्शों की प्रशंसा की और उन्हें आज की विश्व व्यवस्था में अत्यंत आवश्यक मूल्य बताया। इस कार्यक्रम में मोंटाना राज्य के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें मोंटाना विश्वविद्यालय के संकाय और छात्र, साथ ही 'मोंटाना वर्ल्ड अफेयर्स काउंसिल' के सदस्य शामिल थे। बाद में शाम में मोंटाना विश्वविद्यालय के छात्रों ने भारत के रंगों के त्योहार - 'होली' को मनाने वाले एक अन्य अनूठे कार्यक्रम में भाग लिया।

ट्रेंड

भारत-यूरोप संबंध

आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन से लेकर वेस्ट एशिया तक दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में भारत और यूरोप अपने संबंधों के सुनहरे दौर में प्रवेश कर रहे है।

- किरण रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री

फिनलैंड से समझौता

फिनलैंड भारतीय छात्रों और प्रतिभाओं के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। दोनों देशों के इनोवेशन इकोसिस्टम को जोड़ने के लिए आज हमने फिनलैंड के साथ एक व्यापक प्रवासन और गतिशीलता समझौता किया है।

-धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

तेल आपूर्ति खतरे में

भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40% से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी खराब है। फिर भी प्रधानमंत्री ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कांग्रेस ने वादे नहीं निभाए

कांग्रेस ने 2024 में भी संभावित प्रत्याशियों से पैसे लिए और टिकट न मिलने पर कई के पैसे वापस नहीं किए। इस बार भी वही खेल दोहराया जा रहा है। जो पार्टी अपने ही कार्यकर्ताओं से किए वादे नहीं निभा पाती, वह जनता की उम्मीदों को कैसे पूरा करेगी?

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

रॉयल पत्रिका

ईद से पहले मस्जिद में हादसा, जयपुर फिरदौस मस्जिद की दीवार गिरने से मची अफरा-तफरी

-नमाज़ के दौरान गिरा दीवार का हिस्सा

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान की राजधानी जयपुर में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस समय हो गया जब नमाज़ के दौरान मस्जिद की बालकनी की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। यह घटना शहर के भट्टा बस्ती क्षेत्र में स्थित फिरदौस मस्जिद में हुई, जहां जुमे की नमाज़ के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। दीवार गिरने से अचानक अफरा-तफरी मच गई और कई नमाज़ी मलबे के नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को बाहर निकालने की कोशिश की और मौके पर हड़कंप मच गया।

मलबे में दबे लोग, कई घायल

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब नमाज़ समाप्त होने के बाद लोग मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान पहली मंजिल की गैलरी की लगभग चार से पांच फीट ऊंची दीवार अचानक टूटकर नीचे गिर गई। दीवार के गिरते ही ईंट-पत्थर नीचे खड़े लोगों पर आ गिरे, जिससे कई लोग घायल हो गए और कुछ समय के लिए वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में जारी घायलों का इलाज

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को पहले पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार करीब 15 से 20 लोग इस हादसे में घायल हुए हैं। इनमें से कई लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज अभी भी अस्पताल में चल रहा है।

नेताओं ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

हादसे की सूचना मिलते ही विधायक बालमुकुंद आचार्य और विधायक अमीन कागजी मौके पर पहुंचे घायलों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों से भी बातचीत कर घायलों के इलाज की जानकारी भर्ती लोगों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

विधानसभा में उठी मुआवजे की मांग

अमीन कागजी ने इस हादसे को लेकर विधानसभा में भी आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि इस घटना में घायल हुए लोगों को सरकार की ओर से उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि ईद का त्योहार करीब है और कई घायल ऐसे हैं जो अपने परिवार के मुखिया हैं। फिलहाल वे घायल होने के कारण काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।

मस्जिद कमेटी करेगी घायलों की मदद

इस बीच मस्जिद कमेटी की ओर से भी घोषणा की गई है कि जो लोग इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उनकी सहायता की जाएगी। कमेटी ने कहा कि जरूरतमंद घायलों और उनके परिवारों को आर्थिक मदद देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि इस मुश्किल समय में उन्हें सहारा मिल सके। वहीं प्रशासन ने भी मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

अब तक दो की मौत

सूचना के अनुसार एसएमएस अस्पताल में भर्ती घायलों में से दो की रविवार 8 मार्च 2026 तक मौत हो चुकी है। मौत की खबर सुनकर परिजनों और मुस्लिम समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई।

फिरदौस मस्जिद विवाद थमा नहीं, अब मक्का मस्जिद के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे का आरोप

-मक्का मस्जिद बंदा बस्ती के मदरसा तालीमुल कुरान पर कब्जे के आरोप

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नहरी का नाका, बंदा बस्ती स्थित मक्का मस्जिद के पास बने मदरसा तालीमुल कुरान को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था, लेकिन पिछले कई वर्षों से यहां पढ़ाई लगभग बंद पड़ी है।

मदरसे की जमीन पर कब्जे के आरोप

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मदरसे के पास की जमीन पर पूर्व पार्षद के भाई लियाकत अली पठान और मोहसिन पठान (मोसिन टेंट वाला) ने कब्जा कर रखा है। बताया जाता है कि यहां टेंट का सामान रखा जाता है और उसी जगह का इस्तेमाल शादी-समारोह के लिए किया जा रहा है। हर शादी से करीब 7 हजार रुपये लिए जाने की बात सामने आ रही है।

आमदनी के हिसाब को लेकर उठे सवाल

इलाके के लोगों का कहना है कि अगर साल में औसतन करीब 30 शादियां होती हैं और एक शादी से लगभग 7 हजार रुपये लिए जाते हैं, तो एक साल में करीब 2 लाख 10 हजार रुपये की आमदनी बनती है। लोगों के अनुसार मदरसा बंद हुए करीब 10 साल से अधिक समय हो चुका है। ऐसे में अनुमान के अनुसार करीब 20 लाख रुपये से ज्यादा की रकम बनती है। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि यह पैसा आखिर कहां गया और इसका हिसाब किसके पास है।

पहले भी उठी थी आवाज, हमला होने का आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार इससे पहले भी नाजिम नाम के युवक ने इस मुद्दे को उठाया था। आरोप है कि उस समय करीब 30–35 लोगों ने उसके घर पर हमला कर दिया था, जिसके बाद इलाके में डर का माहौल बन गया था।

मदरसे की कमेटी और प्रबंधन पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले मदरसे की देखरेख मुफ्ती वाजिद साहब करते थे, लेकिन बाद में उन पर आरोप लगाकर उन्हें हटा दिया गया। इसके बाद अलग-अलग समय में बनी कमेटियों के कामकाज को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि मदरसे से जुड़ी आमदनी और प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की जरूरत है।

मदरसा बंद, इमारत भी जर्जर हालत में

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मस्जिद और मदरसे की जो तामीर पहले हुई थी, उसके बाद यहां कोई खास विकास कार्य नहीं हुआ। इमारत आज भी लगभग उसी हालत में है और कई जगह खिड़कियां व दरवाजे टूटे हुए बताए जा रहे हैं।

स्थानीय युवक ने उठाई आवाज

मामले को लेकर आवाज उठाने वाले स्थानीय युवक सद्दाम मसूरी ने बताया कि वह इसी इलाके का रहने वाला है और बचपन से ही मदरसा तालीमुल कुरान से जुड़ा रहा है। उसके अनुसार यह मदरसा इलाके के बच्चों को दीनी तालीम देने के लिए बनाया गया था और एक समय यहां अच्छी संख्या में बच्चे पढ़ते थे। सद्दाम के मुताबिक यहां लड़कों के लिए हिफ्ज़ की तालीम होती थी और हर साल करीब 8–9 लड़के हाफिज बनकर निकलते थे। वहीं लड़कियों के लिए भी अलग मदरसा चलता था, जहां हर साल करीब 5–7 लड़कियां आलिमा बनकर अपनी पढ़ाई पूरी करती थीं। सद्दाम का कहना है कि समय के साथ यह सारी गतिविधियां बंद हो गईं और मदरसा लगभग बंद पड़ा है। उनका आरोप है कि मदरसा बंद होने के बाद इलाके के माहौल पर भी असर पड़ा है। उनके मुताबिक अब मोहल्ले में नशे की समस्या बढ़ गई है और कई जगह गांजा और चरस जैसे नशे खुलेआम इस्तेमाल होते दिखाई देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में पुलिस की गश्त भी बहुत कम होती है। सद्दाम का कहना है कि अगर मदरसा फिर से शुरू हो और बच्चों को तालीम मिले तो इलाके का माहौल बेहतर हो सकता है।

चांदपोल में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन: विधायक गोपाल शर्मा बोले— 'बटेंगे तो कटेंगे'

-अमीन कागजी पर साधा निशाना

-होली स्नेह मिलन में उमड़ा कार्यकर्ताओं का सैलाब, 'योगी मॉडल' की गूंज और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सियासत गरमाई

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के चांदपोल स्थित ऐतिहासिक गंगा माता मंदिर परिसर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के 'चांदपोल मंडल' द्वारा होली स्नेह मिलन एवं कार्यकर्ता गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा और भाजपा विधायक प्रत्याशी चंद्रमोहन बटवाड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं के तीखे तेवरों ने शहर की सियासत में हलचल मचा दी है।

'कटोगे तो बटोगे' के नारे के साथ एकजुटता की अपील:-

विधायक गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चर्चित नारे को दोहराते हुए कहा, "हमें यह याद रखना होगा कि हम तभी तक सुरक्षित हैं जब तक हम एक हैं। जो योगी जी ने कहा है— बटेंगे तो कटेंगे, वह शाश्वत सत्य है।" शर्मा ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि विधानसभा में जब बजट और विकास की बात होती है, तो विपक्षी विधायकों की बोलती बंद हो जाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "विधानसभा में न तो गोविंद सिंह डोटासरा दिखे, न अमीन कागजी और न ही रफीक खान नजर आए। इनमें सच सुनने का सामर्थ्य नहीं है।"

अमित गोयल की चेतावनी: 'मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर खिलेगा कमल':-

कार्यक्रम में भाजपा नेता अमित गोयल ने क्षेत्रीय विधायक अमीन कागजी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आने वाले समय में किशनपोल की जनता परिवर्तन के लिए तैयार है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस बार एकजुट होकर चंद्रमोहन बटवाड़ा को भारी मतों से जिताना है। गोयल ने कहा, "हमारी पहचान हमारा विचार और वंदे मातरम है। भाजपा का कार्यकर्ता अपनी राष्ट्रवादी पहचान से जाना जाता है।" उन्होंने आगामी पार्षद चुनाव और विधानसभा मिशन को लेकर एकजुटता पर जोर दिया।

महिला दिवस पर 'आधी आबादी' की तारीफ, पर मंच से महिलाएं नदारद:-

दिलचस्प बात यह रही कि कार्यक्रम 8 मार्च यानी 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर आयोजित था। अमित गोयल ने मंच से महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनकी सादगी व प्रेरणा की तारीफ की। हालांकि, इस दौरान एक विरोधाभासी स्थिति भी देखने को मिली। भाषणों में महिलाओं के सम्मान की बातें तो हुईं, लेकिन मंच पर एक भी महिला पदाधिकारी मौजूद नहीं थी। इसे लेकर अब चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि क्या भाजपा में महिलाओं को केवल दर्शक दीर्घा तक ही सीमित रखा जा रहा है।

होली के रंगों के साथ चुनावी शंखनाद:-

गोष्ठी के दूसरे चरण में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। वित्त आयोग के चेयरमैन और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को आगामी निकाय चुनावों के लिए 'शक्ति प्रदर्शन' में बदल दिया। नेताओं ने साफ किया कि अगर कार्यकर्ता वार्ड स्तर पर एकजुट रहे, तो भाजपा की सीटें और वर्चस्व दोनों बढ़ेंगे।

शहीद स्मारक पर कम्युनिस्ट पार्टी का हल्लाबोल, सांसद अमराराम बोले- 'देश की संप्रभुता खतरे में'

-'जनसंघर्ष जत्था' लेकर सड़कों पर उतरे वामपंथी; बिजली निजीकरण, श्रम कानून और विदेशी व्यापार समझौतों के खिलाफ 24 मार्च को दिल्ली में होगी आक्रोश रैली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के शहीद स्मारक पर शनिवार को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) की ओर से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। 'जनसंघर्ष जत्था' के बैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन का नेतृत्व माकपा के दिग्गज नेता और सांसद अमराराम ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुँचाने का आरोप लगाया।

मजदूरों के हक और खेती को बचाने की लड़ाई: अमराराम:-

सांसद अमराराम ने 'रॉयल पत्रिका' से विशेष बातचीत में कहा कि देश के मजदूरों के लिए बने 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार संहिताओं में बदल दिया गया है, जिससे उनके अधिकार छिन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मनरेगा को समाप्त करने की साजिश रच रही है और बिजली संशोधन कानून 2025 के जरिए पूरे बिजली सेक्टर को अंबानी-अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के हवाले करने की तैयारी है। उन्होंने कहा, "ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार के नाम पर आई थी और 200 साल लूटा, आज फिर वही स्थिति पैदा की जा रही है।"

विदेशी समझौतों से बर्बाद होगी खेती और उद्योग:-

सांसद ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ किए जा रहे व्यापार समझौतों पर भी कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विदेशों से सामान बिना रोक-टोक भारत आएगा, तो यहाँ की खेती, उद्योग और रोजगार पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि यह केवल किसी एक पार्टी का सवाल नहीं है, बल्कि देश के संविधान और आम जनता को बचाने की जंग है, जिसमें हर देशवासी को शामिल होना चाहिए।

ईरान-इजराइल युद्ध और विदेश नीति पर उठाए सवाल:-

अमराराम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इजराइल-ईरान युद्ध से ठीक पहले प्रधानमंत्री का इजराइल दौरा कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भारत की विदेश नीति और व्यापारिक फैसले ट्रंप और अमेरिका के दबाव में लिए जा रहे हैं। सांसद ने कहा, "ईरान पर हमले और इजराइल की गुंडागर्दी से पूरी दुनिया को नुकसान होगा। भारत की संप्रभुता को अमेरिकन साम्राज्यवाद के आगे गिरवी रखा जा रहा है।"

24 मार्च को दिल्ली कूच का ऐलान:-

प्रदर्शन के दौरान घोषणा की गई कि यह 'जनसंघर्ष जत्था' गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा। इसके समापन पर 24 मार्च को दिल्ली में एक विशाल 'आक्रोश रैली' आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के किसान और मजदूर अपनी मांगों को लेकर सरकार को घेरेंगे। अमराराम ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि या तो सरकार अपनी जनविरोधी नीतियां बदले, वरना जनता सरकार को बदलने का काम करेगी।

ताजियती इजलास में शोक और एकजुटता का संदेश

-शिया-सुन्नी धर्मगुरु एक मंच पर, इजरायल-अमेरिका के खिलाफ जताई नाराज़गी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को राजस्थान मुस्लिम फोरम की ओर से एमडी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाना में एक ताजियती (शोक) प्रार्थना सभा आयोजित की गई। सभा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर शोक व्यक्त किया और वैश्विक घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने ईरान से जुड़ी हालिया घटनाओं और हमलों में मासूम बच्चियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। मंच से वक्ताओं ने बताया कि इन घटनाओं को लेकर मुस्लिम समाज में गहरी पीड़ा और आक्रोश है। सभा के दौरान शिया और सुन्नी धर्मगुरु एक साथ मंच पर नजर आए, जिससे आपसी एकता का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने इसराइल और United States के खिलाफ नाराज़गी जताते हुए नारेबाजी भी की। राजस्थान

मुस्लिम फोरम के हाफिज मंजूर अहमद ने कहा कि यह ताजियती इजलास ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनई से जुड़ी खबरों और हमलों में मारे गए बच्चों की याद में आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस्लामी मान्यता के अनुसार शहादत अंत नहीं बल्कि एक नई जिंदगी की शुरुआत मानी जाती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अगर किसी नेता या समाज के लोगों की शहादत होती है तो उससे संघर्ष और मजबूत होता है। साथ ही यह भी कहा गया कि मौजूदा संघर्ष को कुछ लोग वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखते हैं, जबकि उनके अनुसार यह मानवता और न्याय की लड़ाई है। सभा में वक्ताओं ने दुनिया में शांति, इंसाफ और मानवता की रक्षा के लिए दुआ की। कार्यक्रम के अंत में हमलों में मारे गए बच्चों और पीड़ित परिवारों के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।

समर्पण संस्था का 16 वाँ विशाल रक्तदान शिविर 15 मार्च को

-27 रक्तदाता प्रेरक नियुक्त...

-बैठक में संस्था पदाधिकारियों ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा 16वाँ विशाल रक्तदान शिविर रविवार, 15 मार्च 2026 को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक मल्टी परपज हॉल, रावत पब्लिक स्कूल, सेक्टर-17, हल्दीघाटी मार्ग, मेवाड़ अपार्टमेंट के सामने, प्रताप नगर, सांगानेर में लगाया जाएगा। संस्था द्वारा शिविर में रक्त एकत्रित करने के लिए सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक, राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक, तथा स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक की चिकित्सक टीमों को आमन्त्रित किया गया है ।

समर्पण संस्था गत 16 वर्षों से निरंतर मानव कल्याण, शिक्षा सहायता, रक्तदान, नेत्रदान, देहदान जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। संस्था द्वारा अब तक 15 रक्तदान शिविरों में 1455 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया जा चुका है । संस्था के प्रयासों से हजारों जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला है तथा समाज में रक्तदान की भावना को मजबूत किया गया है। इस 16वें विशाल रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए संस्था कार्यलय में सदस्यों की मीटिंग का आयोजन किया गया । इस शिविर को सफल बनाने के लिए संस्था द्वारा 27 रक्तदाता प्रेरक (मोटिवेटर) नियुक्त किए गए हैं। ये प्रेरक अपने स्तर पर अधिक से अधिक स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित करेंगे। संस्था का उद्देश्य इस शिविर में पिछले रिकॉर्ड से अधिक यूनिट रक्त एकत्र करना है ताकि जयपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में रक्त की कमी को पूरा किया जा सके। शिविर में योग्य रक्तदाताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। रक्तदान करने वाले प्रत्येक स्वयंसेवक को प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाएगा, जो उनकी इस नेक कार्य के लिए सम्मान का प्रतीक होगा। समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी जयपुरवासियों, युवाओं, छात्रों, कर्मचारियों, व्यवसायियों एवं समाजसेवियों से अपील की है कि वे इस नेक कार्य में भाग लेकर रक्तदान करें और किसी एक जीवन को बचाने में सहयोग प्रदान करें।रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो बिना किसी खर्च के किसी की जान बचा सकता है। तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सेवानिवृत्त आईआरएस सी. एल. वर्मा, सचिव कमल नयन खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष हीरालाल बैरवा, श्रीमती नीरू शर्मा, मोहन मेहरा, राम स्वरूप महावर सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे ।

संघर्ष और सशक्तिकरण के अनुभव साझा कर महिला कामगारों ने मनाया 115वां अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मेहनतकश कल्याण एवं संदर्भ केंद्र संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गुलाब उद्यान, बनीपार्क में असंगठित महिला कामगारों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संघर्षशील कामगार महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियों को साझा करना था। कार्यक्रम में महिलाओं और बेटियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने समूह बनाकर अपने जीवन में बदलाव लाया और अपने परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान महिलाओं ने अपने संघर्षों की प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्था की सचिव मेवा भारती ने कहा कि समाज में लंबे समय तक महिलाओं के श्रम को उचित मूल्य नहीं मिला। चाहे घर-परिवार का कार्य हो या नियोक्ता के घर में किया जाने वाला श्रम, महिलाओं को अक्सर कमतर आंका गया। उन्होंने कहा कि जब महिलाओं ने संगठित होकर समूह बनाए और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई, तब उनके अधिकारों में धीरे-धीरे सुधार देखने को मिला।

उन्होंने बताया कि अब कई महिलाओं को काम के स्थानों पर मासिक चार छुट्टियां मिलने लगी हैं और उनके वेतन में भी वृद्धि हुई है। साथ ही सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन लागू किए जाने से भी महिलाओं को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पल्लवी शर्मा ने महिलाओं को विभिन्न विधिक योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण श्रमिकों, कमजोर वर्गों और महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सहायता और न्याय उपलब्ध कराने का कार्य करता है। इस अवसर पर डॉ. प्रीतम पाल ने महिलाओं को उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कामगार महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन रमावती ने किया।

नौ साल के मोहम्मद सुफियान ने रखा पहला रोज़ा, लोगों ने दीं दुआएं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रहमतों और बरकतों का पाक महीना माह-ए-रमज़ान शुरू होते ही बड़ों के साथ-साथ बच्चों में भी खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है। ख्वाजा नगर अमृतपुरी घाट-गेट क्षेत्र में एक नौ साल के बच्चे ने पहला रोज़ा रखकर अल्लाह तआला की इबादत की। ख्वाजा नगर अमृतपुरी के वार्ड नंबर 88 में रहने वाले मतीनुद्दीन के नौ वर्षीय पुत्र मोहम्मद सुफियान ने अपने माता-पिता के साथ

रमज़ान का पहला रोज़ा रखा। इस्लाम धर्म के अनुसार नाबालिग बच्चों पर रोज़ा फर्ज़ नहीं होता, फिर भी सुफियान ने खुद रोज़ा रखने की इच्छा जताई। मोहम्मद सुफियान ने जब रोज़ा रखने की बात अपने माता-पिता से कही तो परिवार ने उसका हौसला बढ़ाया। सुफियान ने पूरे उत्साह के साथ रोज़ा रखा और परिवार के साथ इफ्तार किया। इस मौके पर दादा शमशुद्दीन, मोइनुद्दीन, मोहम्मद जुनैद, मोहम्मद फुरकान, अब्दुल जब्बार (अजमेर वाले) सहित पूरे परिवार के लोगों ने सुफियान को मुबारकबाद दी और उसके लिए दुआएं की।

14 साल बाद भी जारी टोल वसूली, पदमपुर में किसानों-संगठनों का चक्का जाम

विनोद सोखल

पदमपुर/श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले की पदमपुर तहसील में स्थित 18 बीबी और 9 ए टोल नाकों को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को किसानों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने टोल वसूली को तत्काल बंद करने की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। हालांकि पूरे दिन चले इस प्रदर्शन के बावजूद मामले में कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आ सका। जानकारी के अनुसार वर्ष 2012 में दीपक एंड कंपनी द्वारा पदमपुर से श्रीगंगानगर तक सड़क निर्माण के बाद 18 बीबी और 9 ए स्थानों पर दो टोल बूथ स्थापित किए गए थे। कंपनी का दावा है कि परियोजना की लागत अभी तक पूरी तरह वसूल नहीं हो पाई है, इसलिए टोल वसूली जारी रखना जरूरी है। लेकिन क्षेत्र के लोगों और किसान संगठनों का कहना है कि 14 वर्ष बीत जाने के बाद भी टोल वसूली जारी रहना जनहित के खिलाफ है। उनका आरोप है कि टोल अवधि समाप्त होने के बाद भी बार-बार आदेश जारी कर अवधि बढ़ाई जा रही है। हाल ही में 5 फरवरी 2026 के बाद फिर से 90 दिनों के लिए टोल वसूली का आदेश जारी होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश बढ़ गया। इसी के विरोध में सोमवार को किसानों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने दोनों टोल नाकों पर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर पहले भी कई बार धरना-प्रदर्शन और चक्का जाम किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन या सरकार की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। उनका आरोप है कि टोल वसूली के नाम पर क्षेत्र के लोगों से लगातार आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। वहीं आंदोलन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने की अपील की। पूरे दिन प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन टोल हटाने को लेकर किसी भी प्रकार की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि राज्य और केंद्र सरकार लोगों के साथ हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ अब तक कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठा रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

आधी रात राजस्थान में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन: खेत में गिराई करोड़ों रुपए की ऐसी चीज, सीआईडी-पुलिस के उड़े होश

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर स्थित गांव 43 पीएस की रोही क्षेत्र में सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। बीएसएफ की सूचना पर सीआईडी और समेजा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करीब 6 किलो 400 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 25 से 30 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इस मामले में पंजाब से आए एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार बीएसएफ को सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन गिराए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद रविवार की दरमियानी रात करीब 2.30 बजे सीआईडी और समेजा पुलिस की संयुक्त टीम ने गांव 43 पीएस की रोही में सर्च अभियान चलाया। तलाशी के दौरान चने के खेत में छिपाकर रखे गए सात पैकेट बरामद हुए, जिनमें कुल 6 किलो 400 ग्राम हेरोइन थी।

एक तस्कर गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान हेरोइन की डिलीवरी लेने आए एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिमरजीत सिंह निवासी फाजिल्का, पंजाब के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी की गांव 43 पीएस में रिश्तेदारी है और इसी संपर्क के जरिए वह यहां हेरोइन की खेप लेने आया था।

सर्च अभियान चलाया

बताया जा रहा है कि डिलीवरी लेने के लिए आरोपी के साथ दो अन्य युवक भी आए थे, लेकिन पुलिस और बीएसएफ की कार्रवाई के दौरान वे अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। इसके बाद पुलिस और बीएसएफ की ओर से मुख्य मार्गों पर नाकाबंदी कर क्षेत्र में व्यापक सर्च अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर लाल, पुलिस उप अधीक्षक मदनलाल और सीआईडी अधिकारी बलविंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। गिरफ्तार आरोपी से विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं, ताकि सीमा पार से हो रही इस तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

सवाई माधोपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जाचं के लिए जिले में सोमवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। इस दिन जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी एवं जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई और जीवनरक्षक टीके भी लगाए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर के गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जाँच सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान संचालित किया जा रहा है भारत सरकार से निर्देशानुशार अब 9 तारीख के अतिरिक्त 18, 27 को भी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया जाता है। अभियान के अंतर्गत सामान्य जांचों के साथ-साथ हाईरिस्क प्रेगनेन्सी को चिन्हित कर आवश्यक उपचार एवं सलाह दी गयी। जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल सहित सीएचसी व पीएचसी तक के सभी चिकित्सा केंद्रों पर प्रत्येक माह की 9 तारीख के अतिरिक्त, 18 व 27 तारीख को भी प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया जा रहा है। इन दिनांको को राजकीय अवकाष होने पर अगले दिन आयोजित किया जाता है। चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की गई। वहीं गर्भवती महिला के शरीर में कैल्शियम व खून की कमी नहीं आए, इसके लिए आईएफए कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाइयां दी गई। खून कि कमी से ग्रसित गर्भवतियों को एफ सी एम इंजेक्शन लगाया गया। इसके साथ ही निशुल्क सोनोग्राफी हेतु गर्भवतियों को माँ वाउचर योजना के अंतर्गत वाउचर भी वितरित किये गये।

गुरु शिष्य संगम समारोह का आयोजन

वर्तमान परिपेक्ष में संस्कारयुक्त शिक्षा की आवश्यकता- रेणु कंवर

किशनगढ़/रेनवाल (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के श्री हरी रतन गार्डन में फ्रेंड्स क्लब द्वारा गुरु शिष्य संगम समारोह का आयोजन हुआ । कार्यक्रम वयो वृद्ध शिक्षाविद् सूर्य प्रकाश वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मोती सिंह चौधरी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रामकिशोर मीणा,रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी अशोक गुप्ता, प्रेम सिंह शेखावत, दिनेश सिंह चौधरी, मोहन लाल जाटावत मनोहर लाल दायमा, रामनिवास मौर्य, देवी लाल शर्मा, छीतर मल सेपट, सीता राम शर्मा, नटवर लाल तिवाड़ी, गोपाल लाल वर्मा, मालीराम कुमावत, किशन लाल टेलर, सांवर मल कुमावत, नन्द किशोर शर्मा, श्रवण लाल मेहता, दौलत राम जाजोरिया, अर्जुन लाल ताकर, पोखर मल ऐचरा शिक्षाविद् सहित भामाशाह नानू राम सूंडा, राजेंद्र चेतीवाल का प्रशस्ति पत्र, शॉल व सम्मान फलक पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नारी शक्ति शिक्षाविद रेणु कंवर ने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का अहम योगदान होता है जिन पर देश के भावी भविष्य की नींव को तैयार करने का दायित्व होता है शिक्षक समाज की लिए एक आदर्श होता है जिसका अन्य सभी लोग अनुसरण करते है। इसलिए समाज में बेहतर सामंजस्य हेतु संस्कारयुक्त शिक्षित युवाओं की आवश्यकता है ताकि भावी पीढ़ी समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना बेहतर योगदान दे सके और एक सशक्त और मजबूत राष्ट्र का निर्माण हो सके । कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति रेनू कंवर, अंजली वर्मा, पलक वर्मा, शिखा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य संजोयक डॉ. लक्ष्मी नारायण सामरिया ने बताया कि कार्यक्रम में राजकीय मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी उच्च माध्यमिक विद्यालय के 2004 से पूर्व शिक्षण कार्य करवाने वाले विद्वान शिक्षकों अध्ययनरत पूर्व विद्यार्थियों एवं भामाशाह सहित कुल 80 महानुभावों को सम्मानित किया गया,कार्यक्रम का मंच संचालन राजेंद्र प्रसाद चेतीवाल ने किया। इस अवसर पर रामावतार शर्मा, अशोक कुमार शर्मा अनेक शिक्षाविदों एवं कार्यक्रम संयोजक शिशुपाल सेपट, कार्यक्रम कोषाध्यक्ष संजय कुमार वर्मा, शंकर लाल चलावरिया, सोहन लाल सामोता, शंकर लाल यादव, ओम प्रकाश रैगर, राजेंद्र सिंह शेखावत, अशोक शर्मा जितेंद्र कुमावत सरदार मल ताकर, नंद किशोर कुमावत, अशोक जांगिड़, संजय दायमा मनोज द्रोण, चिरंजीव सांखला, कौशलेश कुमावत, रोहित मीणा मुकेश मीणा,निर्मल कुमावत ने सहयोग किया ।

आथुना मोहल्ला टीम द्वारा मदीना मुसाफिर खाना में रोजा इफ्तार की दावत में देश-प्रदेश के लिए अमन चैन की दुआएं की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मदीना मुसाफिरखाना में आथूना मोहल्ला टीम एवं नौजवान कमेटी द्वारा सोमवार को रोजा इफ्तार की दावत रखी गई जिसमें काफी संख्या में रोजेदार व सर्व समाज के लोगों ने शिरकत की ओर देश और प्रदेश के लिए अमन- चैन की दुआएं की, रमज़ान के पवित्र महीने में रोज़ा इफ्तार सूर्यास्त के समय रोज़ा खोलने की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और खुशी की रस्म है। दिनभर भूखे-प्यासे रहने के बाद, मुसलमान रोजेदार खजूर, पानी और स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ इफ्तार करते हैं। इफ्तार से पहले दुआ पढ़ना और सामूहिक रूप से रोजा खोलने भाईचारे को बढ़ाता है। इफ्तार का समय मग़रिब की अज़ान (सूर्यास्त) के साथ शुरू होता है। पैगंबर मुहम्मद साहब के अनुसार, रोज़ा खजूर या पानी से खोलना सुन्नत है। रोजा इफ्तार की दुआ: मदीना मस्जिद के इमाम मौलाना हाफिज अब्बास ने पढ़ाई "अल्लाहुम्मा इन्नी लाका सुमतु व बिका आमन्तु व अलैका तवक्कलतु व अला रिज़्क़िका आफतारतु" (हे अल्लाह, मैंने तेरे लिए रोज़ा रखा और तेरे रिज़्क से इफ्तार किया)। रोजा इफ्तार का समय आत्म-संयम, आभार और अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त करने का समय होता है। और भाईचाराः लोग इसे परिवार, दोस्तों और गरीबों के साथ बांटकर खाते हैं, जिससे समुदाय में एकता और करुणा की भावना मजबूत होती है। इफ्तार सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि अल्लाह के करीब आने और रोज़े की इबादत को मुकम्मल करने का एक अनमोल अवसर है। इफ्तार पार्टी में सैकड़ो की संख्या में लोगों ने रोजा इफ्तार किया ।और देश विदेश के लिए अमन - चैन की दुआए की।

वरिष्ठ पत्रकार स्व. बारेठ को दी पत्रकारों ने श्रद्धांजलि

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ पत्रकार, हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे राजस्थान के पूर्व सूचना आयुक्त नारायण बारेठ के निधन को लेकर सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों एवं जनसंपर्क कार्यालय के कार्मिकों ने वरिष्ठ पत्रकार नारायण बारेठ को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान जिला पत्रकार विकास समिति के अध्यक्ष पत्रकार नरेंद्र भारद्वाज ने वरिष्ठ पत्रकार बारेठ की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला। भारद्वाज ने बताया कि वे हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में नारायण बारेठ के स्टूडेंट रहे। वह हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पहले बैच के मीडिया स्टडीज के छात्र थे। इसी विभाग के नारायण बारेठ HOD रहे। जिसके चलते उन्हें नारायण बारेठ को करीब से समझने ओर उनके निर्देशन में कुछ सीखने का मौका मिला। बारेठ मूलतः चूरू जिले के रतनगढ़ के रहने वाले थे। जिन्होंने राजस्थान में कई दशकों तक पत्रकारिता की। और राजस्थान के सूचना आयुक्त भी रहे। इस अवसर पर पत्रकार संगठन आई एफ डब्ल्यू जे के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि पत्रकार नारायण बारेठ अपनी सादगी के लिए पूरे राजस्थान में जाने जाते थे। वह पत्रकारिता का जितना बड़ा नाम थे, उससे ज्यादा उनका साधारण रहना लोगों में चर्चा का विषय बना रहा करता था। शर्मा ने कहा कि बारेठ राजस्थान में आदर्श पत्रकारिता की एक मिसाल रहे जिसका हम सभी पत्रकारों को अनुसरण करना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा के दौरान सभी पत्रकारों ने नारायण बारेठ के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, बजरंग सिंह, गिरिराज शर्मा, नरेंद्र भारद्वाज, अरविंद चौहान, गजानंद शर्मा, राजेश गोयल, नरेंद्र शर्मा, मुकेश सीट, मुकेश जैन, केपी सिंह, जनसंपर्क कार्यालय के किरोड़ी लाल मीना, नरेंद्र सामरिया, सादिक अली सहित कई लोग मौजूद रहे।

रमजान की फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायक है – डॉ. साजिद चौहान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर डॉ. साजिद चौहान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (फिजिशियन) राजकीय डी बी जिला अस्पताल चूरू ने माहे रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि रमजान में रोजा (उपवास) रखना वैज्ञानिक रूप से स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना गया है। यह शरीर को डिटॉक्स (detox) करता है, पाचन तंत्र को आराम देता है, मोटापा कम करता है, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित कर दिल को स्वस्थ रखता है, और मानसिक शांति प्रदान करता है।

यह प्रक्रिया शरीर में 12-14 घंटे के उपवास के कारण स्व-सुधार (autophagy) को प्रोत्साहित करती है। रमजान के मुख्य वैज्ञानिक फायदे (Scientific Advantages): बॉडी डिटॉक्स और पाचन: लंबे समय तक खाली पेट रहने से शरीर का पाचन तंत्र आराम करता है और टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं। मेटाबॉलिज्म में सुधार और वजन कमी: रोजा रखने से Adiponectin हार्मोन बढ़ता है, जो मेटाबॉलिज्म (metabolism) में सुधार करता है, जिससे वजन कम होने और फैट बर्न होने में मदद मिलती है। हृदय स्वास्थ्य (Heart Health): यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाने में मदद कर सकता है, जिससे हार्ट अटैक का जोखिम कम हो सकता है।

ब्लड शुगर का नियंत्रण: रमजान की फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायक है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज से लड़ने में मदद मिल सकती है। मानसिक और दिमागी स्वास्थ्य: रोज़ा रखने से तनाव (stress) और अवसाद (depression) कम होता है, और दिमाग की कार्यक्षमता बेहतर होती

है। पुरानी बीमारियों से बचाव: यह पुरानी बीमारियों (chronic diseases) और कैंसर के ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद कर सकता है। इम्यूनिटी में बढ़ोतरी: यह शरीर के अंदर की सूजन को कम करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। रमजान में सहरी (Sehri) करना सुन्नत है, जो शरीर को दिन भर ऊर्जावान बनाए रखने, थकान कम करने एवं metabolism को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह रक्त शर्करा को स्थिर रखती है,निर्जलीकरण से बचाती है, मानसिक एकाग्रता में सुधार करती है ।और पौष्टिक भोजन से दिन भर के लिए शारीरिक सहनशक्ति प्रदान करती है। सेहरी के लिए बेहतरीन विकल्प: पोषण विशेषज्ञ सहरी में फाइबर, प्रोटीन और जटिल कार्बोहाइड्रेट (complex carbs) जैसे दलिया, साबुत अनाज, अंडे, दही, और खजूर शामिल करने की सलाह देते हैं, जो धीरे-धीरे ऊर्जा छोड़ते हैं। रोजा रखने से आध्यात्मिक फायदे भी हैं। माहे रमजान में रोजेदार को सावधानियां रखनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, रोज़े के दौरान सहरी (सुबह) और इफ्तार (शाम) में संतुलित आहार लें, और तला-भुना खाने से बचें ताकि इन वैज्ञानिक फायदों का पूरा लाभ मिल सके।

जिला सहकारी विकास समिति की बैठक 13 मार्च को

बारां। जिला सहकारी विकास समिति एवं उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां संयोजक राजेन्द्र कुमार चौहला ने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार सहकारी आन्दोलन को मजबूत करने व जमीनी स्तर पर पहुंच को गहरा करने की योजना के कार्यान्वयन के लिए सहकारिता के क्षेत्र में किए गए कार्यों व योजनाओं की पुष्टि के लिए जिला स्तर पर जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में गठित जिला सहकारी विकास समिति की बैठक 13 मार्च को प्रातः 11 बजे जिला कलक्टर कक्ष में आयोजित की जाएगी।

भाजपा की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला संपन्न

-आगामी मंडल प्रशिक्षणों की कार्ययोजना तय

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय योजना के अनुसार तय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन आज हरिओम इको गार्डन सर्किट हाउस रोड पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण महाअभियान की कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। कार्यशाला मे मंडल स्तर पर होने वाले प्रशिक्षण शिविरों की तिथि एवं कार्ययोजना तैयार की गई । कार्यशाला मे मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री नारायण मीणा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला संगठन सहप्रभारी शेरसिंह मीणा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेमप्रकाश शर्मा, केदारलाल मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेशचंद जैन, बजरंगलाल जाट, राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश डांगोरिया, जिला महामंत्री विनोद अटल, बाबूलाल मीणा उपस्थित रहे। कार्यशाला के शुभारंभ पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को महाअभियान की पूरी जानकारी दी, जिलाध्यक्ष ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान पार्टी के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है, इस महाअभियान के माध्यम से पार्टी का उदेश्य है कि नीचे स्तर तक संगठन और अधिक मजबूत हो और कार्यकर्ता का विकास हो। जिलाध्यक्ष ने कहा देश की पहली राजनैतिक पार्टी है जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की डिजिटल उपस्थिति होती है, इस महाअभियान के तहत जिले के 17 मंडलों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित होंगे जिनमें जिले से 14 प्रशिक्षित कार्यकर्ता मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर आयोजित सात सत्र में उपस्थित पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे। कार्यशाला को मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश मंत्री नारायण मीणा ने भी संबोधित किया, उन्होंने कहा कि भाजपा ने 6 अप्रैल 1980 से अपनी राजनीतिक यात्रा प्रारंभ कि और आज विश्व की राजनीतिक पार्टी बन गई । भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी की रीति नीति के साथ साथ देश की सेवा के लिए भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है, इसी का परिणाम है कि हमारी पार्टी के देश में करोड़ों कार्यकर्ता है जो निस्वार्थ भाव से पार्टी में कार्य कर रहे है । प्रशिक्षण महाअभियान में आयोजित होने वाले आवासीय प्रशिक्षणों में रचनात्मक कार्य भी कार्यकर्ताओं को सिखाए जाएंगे और दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी के बारे में अवगत करवाया जाएगा। इस दौरान कार्यशाला में पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, गंगापुर सिटी प्रधान मंजू गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, लालचंद गौतम, मीरा सैनी, उदयसिंह गुर्जर, दीपक सिंघल, महेन्द्र दीक्षित, जिला मंत्री हरफूल मरमट, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, जिला सोशल मीडिया सहसंयोजक मेहनाज पटेल, मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा, कपिल जैन, श्रीचंद सैनी, रितेश भारद्वाज, रामराज मीणा, शंकर नरूका, हनुमत दीक्षित, शंकर पोसवाल, मिथलेश व्यास, पुखराज गुर्जर, सुनीता वैष्णव, पूर्व पार्षद ओमी कटारिया, मंडल महामंत्री केशव शर्मा, भगवान सैनी, राजेन्द्र गुर्जर, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम, महिला मोर्चा से संतोष मथुरिया, कृष्णा गुप्ता, सुमन कंवर, मीरा मीणा, मीडिया सहप्रभारी धनेश शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, हरचरण सिंह, रामपाल बालोत, सीताराम शुक्ला आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, कार्यशाला मे मंच संचालन जिला महामंत्री विनोद अटल ने किया ।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

विधायक राजेंद्र मीणा ने नवीन ग्राम पंचायत मुख्यालय शीशवाड़ा में अभिनंदन समारोह में लिया भाग क्षेत्र के विकास का किया वादा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र की नवीन ग्राम पंचायत मुख्यालय शीशवाड़ा स्थित वनक्या वाले हनुमान मंदिर, पर आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र मीणा का ग्रामीणों द्वारा घोड़ी पर बैठकर गम जोशी के साथ स्वागत सत्कार किया इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि आप सभी ग्रामीणों की मांग के अनुसार शीशवाड़ा को नवीन ग्राम पंचायत मुख्यालय बनाया गया है जिससे आपके गांव सहित क्षेत्र का विकास होगा इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहां की आप सब के सहयोग से ही मैं विधानसभा में पहुंचा हूं आज भी विधानसभा चल रही थी लेकिन आप सबका स्नेह मुझे इस कार्यक्रम में खींच लाया है आप सभी आमजन के स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत हुआ हूं । शीशवाड़ा–समसपुर को नवीन ग्राम पंचायत बनवाने पर ग्रामवासियों द्वारा किए गए स्वागत-सम्मान के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बजट में उप स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की घोषणा से क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर आयोजित विशाल कुश्ती दंगल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर विधायक राजेंद्र मीणा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण खेल परंपराओं को जीवित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। हार जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं हर से हमें प्रेरणा लेकर जीत की ओर अग्रसर होना चाहिए। इस अवसर भाजपा मंडल अध्यक्ष धारा सिंह पीपलखेड़ा, योगेश कुमार सहित गांव के पंच पटेल गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मो. जहीर कारपेंटर ईदगाह सदर ओर शोएब अख्तर सेकेट्री नियुक्त

बारां (रॉयल पत्रिका)। आगामी ईद उल फ़ित्र की तैयारी के मद्देनज़र जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी ने ईदगाह सदर की नियुक्ति की है। जिसमें जहीर अहमद कारपेंटर को ईदगाह कमेटी बारां का सदर नियुक्त किया गया है, ओर शोएब अख्तर को सेक्रेटरी के तौर पर नियुक्त किया गया है। चेयरमैन इरफान अंसारी ने बताया कि कमेटी को भरोसा है कि दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे तथा ईदगाह के कामकाज और व्यवस्था को और बेहतर बनाएंगे जिससे आमजन को आसानी हो। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों

का वक्फ कमेटी कार्यालय पर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया ओर उपस्थित लोगों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। साथ ही दोनों पदाधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कर्तव्यों को अच्छे से निभाने का आह्वान किया। इस दौरान जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, अब्दुल शकूर चिश्ती, अब्दुल रशीद पठान, एडवोकेट असलम भारती, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, शैख बहादुर, सलीम भाई शटर, रईस अहमद, हक्का भाई, नियाज मोहम्मद, अख़लाक़ अंसारी, साबीर खान, बबलू मंसूरी, असलम मंसूरी आदि मोजूद रहें।

इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल के अंतर्गत हुआ मतदाता जागरुकता मेले का आयोजन

-आकर्षण का केंद्र रही मतदाता जागरुकता प्रदर्शनी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय कन्या महाविद्यालय में शनिवार को आयोजित इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल में लोकतांत्रिक सहभागिता की झलक दिखी। इसमें युवाओं ने मताधिकार के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता मेले का आयोजन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में आयोजित मेले का उद्घाटन निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एसडीएम विश्वजीत सिंह ने फ़ीता काटकर किया। इस अवसर पर बीडीओ दारा सिंह, सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव भी मौजूद रहे। एसडीएम ने उपस्थित जन को लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझाते हुए जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा दी एवं प्रत्येक निर्वाचन में मतदान करने का संकल्प कराया। साथ ही प्रदर्शनी एवं विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया तथा मतू के साथ सेल्फी खिंचवाई। वहीं ईएलसी सदस्यों द्वारा मतदान के अधिकार एवं मतदान के महत्व के संबंध में बनाए गए रंगोली एवं पोस्टर की सराहना की। बीडीओ दारा सिंह ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने अपने साथ अपने परिवार, पड़ौसी, मोहल्ले वालों को मतदान के लिए प्रेरित करने कहा।

निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस से कराया रुबरु

स्वीप सह प्रभारी भार्गव ने महाविद्यालय के ईएलसी क्लब को जिले में सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लोकतंत्र के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का उत्सव है, क्योंकि मतदान प्रत्येक नागरिक का केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। इसलिए हमें लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए प्रत्येक निर्वाचन में मतदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान भार्गव ने निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी। वहीं नव मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर बैठे ईसीआई नेट ऐप द्वारा ऑनलाइन प्रक्रिया से करने की जानकारी दी गई। साथ ही सीविजिल, केवाईसी एवं सक्षम ऐप तथा 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा के बारे में बताया गया।

निर्वाचन के फॉर्म 6,7 एवं 8 का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

ईएलसी सदस्यों ने फॉर्म-6,7 और 8 के माध्यम से नव मतदाता पंजीयन, नाम पृथक् करने और अपने ईपिक में सुधार करने का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया। जिससे नवमतदाता को ऑनलाइन आवेदन या बीएलओ के माध्यम से निर्वाचन संबंधी कार्य की जानकारी हो सके।

मुस्लिम युवाओं की जानिब से रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका) । रमजानुल मुबारक के पाक महीने में सामूहिक रोज़ा इफ्तार करवाने की बड़ी फजीलत है, इसी लिए इस पाक महीने में कई सारे रोजा अफ्तार कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं, संगठनों ओर आमजन द्वारा करवाए जाते हैं। शनिवार 07 मार्च को 17 वें रमजान के मौके पर ताहिर शेख, रेहान कुरैशी, फ़राज़ अहमद ओर अशरफ़ मंसूरी की जानिब से अंजुमन मैरिज हॉल में रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों ने पहुंच कर रोज़ा इफ्तार किया। इसके बाद नमाज भी यही अदा की गई। नमाज के बाद 17 रमजान को जंग-ए-बदर के मौके

पर इस्लाम की इस अजीम तारीख पर मौलाना मसूद आलम ने रोशनी डाली और उपस्थित लोगों को इसके बारे में विस्तार से बताया। रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम में अंजुमन सदर मन्नू पठान, पूर्व सदर माजिद सलीम, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन साजिद सलीम, एडवोकेट फिरोज खान, इकबाल नेता, पार्षद जाकिर खान, इमरान रंगरेज, रिंकू सूरमा, खलील अहमद, वसीम सीसवाली, रियाज दुर्रानी, सहित कई लोग मौजूद रहे।

जगदीश चौपड़ा को अखिल भारत हिन्दू महासभा का जिलाध्यक्ष बनाया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणी महाराज व राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार पूनिया ने प्रदेश कोर कमेटी अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा झेरलीवाला की अनुशंसा पर नियुक्ति की घोषणा करते हुए जगदीश चौपड़ा को जिलाध्यक्ष कोटा ग्रामीण नियुक्त किया। नई जिम्मेदारी मिलने पर जगदीश चौपड़ा ने कहा कि वह संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेशाध्यक्ष का

आभार जताया।

मस्जिद पर हुए हमले की घटना के विरोध में मुस्लिम महासभा ने दिया आईजी कोटा रेंज को ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । बूंदी जिले के दबलाना थाना क्षेत्र के आलोद ग्राम में होली के जुलूस के दौरान जुलूस में शामिल कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मस्जिद को काले रंग ओर जले हुए ऑयल से गंदा करने का कृत्य किया गया है। इसके खिलाफ शुक्रवार को मुस्लिम महासभा द्वारा उपाध्यक्ष जोनी राईन के नेतृत्व में पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज को ज्ञापन देकर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन में बताया कि 04 मार्च 2026 बुधवार को हुए इस अल्पसंख्यक समाज विरोधी कृत्य से पूरे समाज में नाराजगी हे ओर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान सोनू अब्बासी, शोएब अहमद, जरगाम अंसारी, मुस्लिम महासभा से शकील अहमद,

शाहरुख अंसारी, असलम अब्बासी, राजील वारसी, शोएब अब्बासी, सोहेल अहमद, नाजिश आदि लोग मौजूद रहे।

93 वर्ष की बुज़ुर्ग कुलसुम बानो को रोजा रखते देख नन्हे पोता-पोती भी रख रहे रोज़े

-मासूम आफ़िया और अरकाम भी रख रहे पूरे रोज़े

बारां (रॉयल पत्रिका)। रमजानुल मुबारक के पाक महीने में रोजेदारों द्वारा रोज़े रखकर अल्लाह की इबादत की जा रही है। महिला, पुरुष, बुजुर्ज ओर बच्चें सभी रोज़े रखकर इबादत में मशगूल है। शहर के तालाब पाड़ा भोला शाह मस्जिद के पास निवासी 93 वर्षीय बुज़ुर्ग महिला कुलसुम बानो पत्नी मरहूम मोहम्मद गनी इतनी उम्र में भी पूरे रोज़े रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल है। उनके बेटे मोहम्मद उस्मान ओर हाजी मोहम्मद अशफाक ने बताया कि अम्मा को पूरे रोज़े रखते देख कर घर के छोटे बच्चे भी रोजाना सेहरी करके रोजा रख रहे हैं। मोहम्मद

आरिफ के दोनों बच्चें आफ़िया अंसारी 8 वर्ष ओर मोहम्मद अरकाम 6 वर्ष के है फिर भी परिवार के वातावरण को देख कर बच्चे हिम्मत करके रोज़े रख रहे है ओर इबादत में मशगूल है। छोटे, बड़े सभी सुबह जल्दी उठ कर सेहरी करके रोजा रखकर फज्र की नमाज पढ़ने के बाद इबादत करते हैं। फिर शाम को मगरिब की अज़ान लगते ही इफ़्तार करके रोजा खोल कर अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं।

झालावाड़ हजरत काले शाह बाबा दरगाह के सामने लगे गंदगी के ढेर

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। शहर स्थित हजरत काले शाह बाबा के सामने चारों ओर गंदगी का आलम है ऐसे में यहां आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वही नगर परिषद प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आई है, क्षेत्रवासी परेशान है। जिम्मेदार प्रशासन के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही यहां आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है ऐसे में यहां से गुजरने वाले बुजुर्गों व महिलाओं को गंदगी की

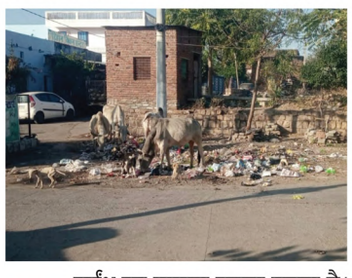

दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने प्रशासन से मांग की है यहां लगे गंदगी के ढेर को हटाए।

बारां: रसोई गैस की बढ़ी कीमतों के खिलाफ महिला कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

बारां (रॉयल पत्रिका) । महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा एवं राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर महिला कांग्रेस बारां द्वारा रसोई गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दामों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष बृजेश बैरवा ने किया। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों पर कड़ा विरोध जताया। जिलाध्यक्ष बृजेश बैरवा ने कहा कि रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता विशेषकर गृहिणियों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। महंगाई के कारण आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आम जनता को राहत देने के लिए रसोई गैस सिलेंडर के बढ़े हुए दामों को तुरंत कम किया जाए। इस प्रदर्शन में बारां महिला

कांग्रेस की कई पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बढ़ - चढ़कर हिस्सा लिया और महंगाई के खिलाफ नारे लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

"जनहिताय – जनसुखाय पदयात्रा" सरकार आपके द्वार, समाधान हर बार

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत रामगंज मंडी के लोकप्रिय विधायक एवं राजस्थान सरकार में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर अपने विधानसभा क्षेत्र में "जनहिताय – जनसुखाय पदयात्रा" का शुभारंभ करने जा रहे हैं। यह पदयात्रा 13 मार्च से प्रारंभ होकर 16 मार्च को सम्पन्न होगी। चार दिवसीय इस जनसंपर्क पदयात्रा के दौरान मंत्री मदन दिलावर लगभग 70 किलोमीटर पैदल यात्रा करेंगे। यह पदयात्रा रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लाडपुरा पंचायत समिति के ग्रामीण क्षेत्रों में निकाली जाएगी, जहां मंत्री दिलावर गांव-गांव पहुंचकर देवतुल्य जनता से संवाद करेंगे। इस दौरान वे राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुई जनता से मिलेंगे, साथ ही आमजन की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के लिए प्रयास करेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ आयोजित

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग, झालावाड़ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह (04 मार्च से 08 मार्च 2026) के उपलक्ष्य में रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम हॉल में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व जिला प्रमुख प्रेम बाई दांगी, मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भुदयाल मीणा, पूर्व उप जिला प्रमुख भागचन्द दांगी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस दौरान अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित

विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी आमजन को दी गई तथा महिलाओं और बालिकाओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं तथा बालिकाओं ने भाग लेकर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं और बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान 28 बालिकाओं को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, वहीं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 16 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को 'माता यशोदा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त 11 आशा सहयोगिनी तथा 9 साथिन कार्मिकों को भी उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान बालिका जन्मोत्सव भी मनाया गया, जिसमें नवजात बालिकाओं के जन्म पर उनके परिवारों को बधाई देते हुए समाज में बेटी के महत्व और सम्मान का संदेश दिया गया। इसके माध्यम से दर्शाया गया कि बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाने से समाज में सकारात्मक सोच विकसित होती है और बेटियों को समान अवसर देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, महिला कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, साथिन तथा बड़ी संख्या में बालिकाएं और आमजन उपस्थित रहे।

एयरपोर्ट शिलान्यास कार्यक्रम रहा फ्लॉप शो:

प्रहलाद गुंजल सरकारी कर्मचारियों की बसें लगाने के बाद भी नहीं जुटी भीड़ भाजपा पर लगाया प्रचार का आरोप

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। पूर्व विधायक व कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को राजकीय कार्यक्रम बताते हुए उसे औपचारिकता करने वाला कार्यक्रम बताया। गुंजल ने कहा कि पिछले दिनों कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों व कोटा वासियों की ओर से उठाए जाने वाले सवालों से विचलित होकर लोकसभा अध्यक्ष व भाजपा ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी के बुलावे पर आज जब कोई वहां आने को तैयार नहीं हुआ तो कोटा व बूंदी जिले में एक बस ग्रामसेवको, एक बस कृषि पर्यवेक्षको, एक बस राजीविका एवं आशा सहयोगिनी सहित राज्य कर्मचारियों के लिए लगाई गई जिसमें नरेगा से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले

लोगों को लाने का प्रयास किया गया, फिर भी 914 बसे लगाने के बाद भी बमुश्किल 5000 लोग भी इकठ्ठा नहीं हो पाए इससे यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा से लोगों का भरोसा उठ गया है। गुंजल ने कहा कि कोटा की कोचिंग की दुर्दशा के लिए जिम्मेदारों द्वारा अब एयरपोर्ट की बात करने पर कोटा वासियों ने कोई रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि कोटा में एयरपोर्ट की घोषणा कांग्रेस सरकार द्वारा कर दी गई थी परंतु बीजेपी अब इसे अपना महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बात कर प्रचारित कर रही है। गुंजल ने कोटावासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि देर आए दुरस्त आए उन्होंने कहा कि कोटा में कोचिंग की हालत क्या है जहां कोटा में देश भर से 3 लाख बच्चे आते थे वहां अब यह संख्या घटकर 10 से 20त्न रह गई है। बड़े-बड़े एमओयू होने के बाद भी नए उद्योग यहां आ नहीं रहे हैं, ऐसे में हवाई जहाज को ट्रैफिक मिलना भी मुश्किल लग रहा है। गुंजल ने इसे फ्लॉप शो करार देते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि कोटा में हवाई सेवा सुचारू रूप से चले परंतु ऐसा ना हो कि जिस तरह वंदे भारत ट्रेन को बंद किया गया उसी तरह कोटा का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी साल में एक दो उड़ान के बाद ही सिर्फ औपचारिक बन की ना रह जाए।

एसडीपीआई बारां द्वारा सामुहिक रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां इकाई द्वारा दिनांक 4 मार्च बरोज बुधवार को अन्जुमन मेरिज़ हाल में रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे बारां शहर के रोजेदारों ने रोज़ा इफ़्तार किया इफ़्तार प्रोग्राम मे सभी रोजेदारों ने अमन-चैन कि दुआ की। प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज ने रोजे कि अहमियत के बारे में बताया साथ ही एसडीपीआई जनता के लिए जो सेवा कार्य करती हे उसके बारे में जानकारी दी। रोज़ा इफ़्तार प्रोग्राम में बारां जिला अध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जु, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इफ़्तिखार अहमद बब्लु, मुफ्ती मोहम्मद उमर, अलीम मंसूरी, सलमान नदवी, असलम कालु वार्ड पार्षद, इरशाद अंसारी, सलामत हुसैन, हाजी मोहम्मद अशफ़ाक, अख्तर हुसैन, कदीर अहमद मामाजी, वसीम मंसूरी, आरिफ़ अंसारी, शाकिर रंगरेज, वसीम शैख, अशफ़ाक मिस्त्री, शानु शैख, साबिर शेख, अखलाक मंसूरी, शेर अली, इमदाद अंसारी, जावेद खान, शोएब सर्राफ, मुजफ्फर मंसूरी, अरशद दुर्रानी, फैजान मंसूरी, समीर मिर्जा सहित बारां के कई कार्यकर्ता व अमन पसंद आवाम रोजा इफ़्तार प्रोग्राम मे मौजूद रहे। अंत में रोज़ा इफ्तार में शामिल होने वाले सभी मेहमानों का जिलाध्यक्ष एसडीपीआई अब्दुल अजीज ने शुक्रिया अदा किया।

छह साल की छोटी बच्ची सिजरा ने रखा पहला रोजा

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका) । रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत से ही छोटे-छोटे बच्चों का रोज़ा रखना जारी है । इन्हीं बच्चों को देखते हुए छह साल की छोटी बच्ची सिजरा ने अपना पहला रोजा रखकर सबका दिल जीत लिया। सोजत शहर के सिलावट मोहल्ला ढाल की गली में रहने वाले अब्दुल खालिद टांक व शबनम परवीन की 6 वर्षीय बेटी सिजरा ने अपना पहला रोजा रखा। परिवार के सभी सदस्यों ने छोटे रोजेदार को दुआएं दीं और मुबारकबाद दी। अम्मी शबनम परवीन ने बेटी को फूलों का हार पहनाकर खुशी जाहिर की। पिता अब्दुल खालिद टांक ने बेटी के

रोज़ा रखने की खुशी में मोहल्ले में रोज़ा इफ्तार पार्टी का प्रोग्राम रखा, जिसमें भारी तादाद में लोग मौजूद रहे। जिसमें छोटे दादा शायर कवि पत्रकार अब्दुल समद राही, दादी रिहाना रानू, जाहिदा बानो, मोहम्मद वाजिद, रिजवाना फरीदाबानो, सीमा परवीन, तैबा टांक, मोहम्मद इम्तियाज राही, अब्दुल जावेद टाक, मोहम्मद उमैर, मोहम्मद नासिर खताई अब्दुल हन्नान मोहम्मद यासीन अब्दुल मन्नान शहनवाज रफाई, इमरान पठान, मोहम्मद मोहसिन, नौशाद टांक, मोहम्मद मुस्तकीम, नर्सिंग ऑफिसर हाकम हुसैन, बाबू आसिफ, मोहिन पठान, डाक्टर मोहिनुदीन चौहान, नाजिम सिलावट, ठेकेदार रिजवान खताई, मोहम्मद अबरार आदि कई गणमान्य जन उपस्थित थे। सिजरा का कहना है कि वह अल्लाह से अपनी पढ़ाई में सफलता और जीवन में अच्छाई की दुआ मांगती है। उसने अपने घर के बड़े-बुजुर्गों को देखकर रोजा रखने की प्रेरणा ली। मुस्लिम समाज में माना जाता है कि रमजान के पवित्र महीने में की गई एक नेकी का सवाब 70 गुना बढ़ जाता है।

अफीया मिर्ज़ा और अक्सा मिर्ज़ा ने रमज़ान का पहला रोज़ा रखा

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान झालावाड़ रमजान माह की शुरुआत होते ही मस्जिदों में रौनक देखने को मिल रही है। मस्जिदों में इबादतों का दौर जारी है जहां मुस्लिम समाज के महिला एवं पुरुष रोजे रखकर अल्लाह की बारगाह में इबादत कर रहे हैं वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी पीछे नहीं है झालावाड़ से तनवीर मिर्ज़ा मूर्ति चौराहा इमामबाड़ा की दोनों बेटी अफिया मिर्ज़ा (9 वर्ष) और अक्सा मिर्ज़ा (8 वर्ष) ने 7 मार्च 2026 को पहला रोज़ा रखा। इस रमजान माह के मुबारक मौके पर अपना दिन इबादत कर गुजारा और शाम होने पर समुदाय के बड़े बुजुर्गों से सलाम दुआ कर मुलाकात की इस दौरान बुजुर्गों ने अपनी नेक दुआओं से नवाजा और माला पहनकर नन्हे बच्चियों की हौसला अफजाई की।

‘छाप तिलक’ दिल के करीब खास है इसकी एनर्जी

मेधा शंकर

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ का पहला गाना ‘छाप तिलक’ रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, ‘मैं बहुत खुश हूं कि अब सब ‘छाप तिलक’ सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा। ‘अविनाश तिवारी ने कहा, ‘फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। ‘छाप तिलक’ हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा। ‘यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक ‘छाप तिलक सब छीनी’ पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, ‘हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदरा बना देता है। ‘पैराडॉक्स ने कहा, ‘मैं क्लासिक में कुछ नया लाना चाहता था। गाने की यूथ एनर्जी त्योहारों के सीजन में खूब चलेगी। ‘अमान नूर ने बताया, ‘क्लासिक को नए अंदाज में पेश करते समय पुरानी भावना और नया टच दोनों जरूरी हैं। हमने यही किया है। ‘रोमांटिक-कॉमेडी सीक्वल ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ जी स्टूडियोज की फिल्म है। निर्माता विनोद बच्चन और उमेश कुमार बंसल हैं। प्रशांत झा ने लेखन और निर्देशन किया है। फिल्म 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निक्की अनेजाः एक्सीडेंट में बहा 3 लीटर खून, बंद हुए एक साथ कई टीवी शोज, झेला कास्टिंग काउच

एक्ट्रेस निक्की अनेजा ने फिल्मों से लेकर टीवी तक का सफर तय किया है। उन्होंने डेब्यू मूवी के दौरान कास्टिंग काउच का भी सामना किया। साथ ही एक एक्सीडेंट में उनका तीन लीटर खून भी बहा। जानिए अब क्या कर रही हैं।’मिस्टर आजाद’, ‘मोहरे’, ‘चॉकलेट’, ‘शानदार’, ‘लुप्त’ जैसी तमाम फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस निक्की अनेजा आज पर्दे से दूर हैं। मगर एक वक्त ऐसा था, जब उनका चेहरा दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित से मिलता-जुलता था। और हर कोई उनके साथ काम करना चाहता था। हालांकि उनका सपना कभी एक्ट्रेस बनने का था ही नहीं। वह पायलट बनना चाहती थीं और ह्यूस्टन जाना चाहती थीं। मगर जब इसकी इजाजत नहीं मिली तो उनकी किस्मत उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ले आई। इनका परमीत सेठी से क्या कनेक्शन है। निक्की अनेजा इस वक्त विदेश में हैं।

बादशाह ने टटीरी गीत को सभी मंचों से हटाया

बादशाह के नए गीत टटीरी में महिलाओं और नाबालिगों के बारे में आपत्तिजनक बोल होने के आरोप लगाए जाने के बाद गायक-गीतकार ने माफी मांगते हुए कहा कि इस गाने को सभी मंच से हटा लिया गया है। अभी तो पार्टी शरू हुई है और गेंदा फूल जैसे गानों के लिए प्रसिद्ध 40 वर्षीय बादशाह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। उन्होंने वीडियो में कहा, मेरा नया गीत रिलीज हुआ है और मैं देख रहा हूं कि इसके बोल और दृश्य प्रस्तुति ने खासकर हरियाणा के कई लोगों को दुख पहुंचाया है। सबसे पहले, मैं कहना चाहता हूं कि मैं हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वे यह बता सकते हैं कि मेरी पूरी पहचान इसी पर आधारित है। मुझे हरियाणवी होने पर गर्व है। बादशाह ने कहा कि उन्होंने हमेशा हरियाणा की संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश की है और कभी भी किसी को आहत करना उनका मकसद नहीं रहा। उन्होंने कहा, मेरा न तो यह इरादा था और न ही मकसद था कि मैं हरियाणा की महिलाओं या बच्चों के बारे में इस तरह से बात करूं। मैं हिप हॉप शैली के गीत बनाता हूं, इसलिए गाने में अक्सर इस तरह से बोल जोड़े जाते हैं। यह महिलाओं या बच्चों के लिए नहीं था। उन्होंने कहा, मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा। लेकिन अगर इससे किसी को भी दुख पहुंचा है, तो मैं दिल से माफी मांगता हूं।

शाहरुख खान ने सूबेदार में अनिल कपूर के अभिनय की सराहना की

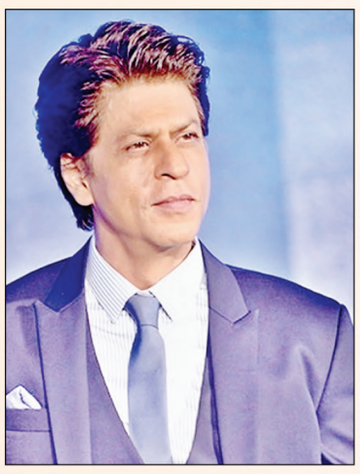

अभिनेता शाहरुख खान ने अनिल कपूर की हालिया फिल्म सूबेदार में उनके अभिनय की सराहना की और कहा कि अभिनय के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों के निर्देशक सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित यह फिल्म पांच मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई और इसमें मोना सिंह, सौरभ शुक्ला, राधिका मदान, आदित्य रावल और फैसल मलिक भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। खान ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई। उन्होंने लिखा, फिल्म सुबेदार का भरपूर आनंद लिया। अनिल कपूर से हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है - संयमित लेकिन प्रभावशाली अभिनय। उनका कला के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है और एक्शन भी शानदार है। उन्होंने कहा, आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, मोना सिंह, फैसल मलिक, राधिका मदान, हर किरदार को अनोखे ढंग से गढ़ा गया है और आप सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

निरहुआ-आम्रपाली दुबे की फिल्म ‘फसल’ हुई रिलीज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव और आम्रपाली दुबे की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘फसल’ अब दर्शकों के लिए उपलब्ध हो चुकी है। यह फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज की गई है. रिलीज होते ही फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. खास बात यह है कि कहानी किसानों की जिंदगी और उनके किसानों को करीब से दिखाती है। फिल्म में निरहुआ एक ऐसे किसान की भूमिका में नजर आते हैं जो अपनी जमीन और खेती से गहरा लगाव रखता है. वह हर मुश्किल के बावजूद अपनी फसल और परिवार को बचाने के लिए लगातार संघर्ष करता है। दूसरी ओर आम्रपाली दुबे ने किसान की पत्नी का किरदार निभाया है, जो अपने परिवार के साथ हर कठिन समय में मजबूती से खड़ी रहती है. दोनों कलाकारों की जोड़ी पहले भी कई फिल्मों में पसंद की जा चुकी है और इस फिल्म में भी उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद कर रही है। फिल्म की कहानी पूरी तरह भारतीय किसानों की जिंदगी पर आधारित है. इसमें खेती से जुड़ी चुनौतियों, मेहनत और उनके दर्द को भावनात्मक तरीके से दिखाया गया है। निर्देशक पराग पाटिल ने ग्रामीण जीवन की सच्चाई को बड़े सरल तरीके से पर्दे पर उतारने की कोशिश की है. फिल्म में खलनायक के रूप में संजय पांडे और विनित विशाल ने दमदार एक्टिंग किया है. इनके अलावा अयाज खान, अरुणा गिरी, जय सिंह, शिवेश तिवारी, राकेश त्रिपाठी, उजैर खान और चाइल्ड आर्टिस्ट त्रिशा सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनाई गई है. इसके निर्माता प्रेम राय हैं. कहानी पराग पाटिल ने लिखी है, जबकि पटकथा और संवाद राकेश त्रिपाठी और पराग पाटिल ने मिलकर तैयार किए हैं. गीतकार अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव कवि, विमल बावरा और विजय चौहान ने गीत लिखे हैं. वहीं संगीत ओम झा और आर्या शर्मा ने दिया है. गानों को आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत और शिल्पी राज जैसे सिंगर्स ने अपनी आवाज दी है।

कंगना रनौत

ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर ने शेयर किया महिलाओं के नाम संदेश

हर दिन आपका है

अपने बेबाक बयानों के लिए प्रसिद्ध मंडी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश की सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी है। अभिनेत्री का कहना है कि हर दिन महिलाओं का होता है और नारी महाशक्ति का स्वरूप है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सभी महिलाओं के नाम प्यारा संदेश लिखा। अभिनेत्री का कहना है कि महिलाओं के लिए अपनी शक्तियों को पहचानना बहुत जरूरी है और उनका सही उपयोग करना भी आना चाहिए। उन्होंने लिखा, ‘हर दिन आपका दिन है। नारी होना एक महाशक्ति है। अपनी शक्तियों को पहचानें और समझें कि उनका उपयोग अपने लाभ के लिए कैसे करें, न कि कभी अपने ही विरुद्ध। उदार होने पर कभी पछतावा न करें, जो आप देते हैं वही आपको मिलता है, लेकिन यह शायद आपकी अपेक्षा के अनुसार न हो, इसलिए आगे बढ़ते रहें, मूर्ख बनने की चिंता न करें। ‘ उन्होंने आगे लिखा, ‘हमेशा आशा रखें कि आप कभी किसी को मूर्ख न बनाएं या लोगों या परिस्थितियों का लाभ न उठाएं। खुशी की कुंजी यह है कि आप अपना सब कुछ अपने काम, अपने परिवार, अपने दोस्तों को दें, लेकिन याद रखें कि जो आप चाहते हैं वह किसी के पास नहीं है; आप केवल कृतज्ञता चाहते हैं और केवल आप ही खुद को इससे भर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें चुनें जिन्होंने आपको चुना है। उठो और चमको, प्यार करो और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखो। महिला दिवस की शुभकामनाएं। ‘बता दें कि कंगना की गिनती बेबाक एक्ट्रेसेस में होती है, और उनकी फिल्में भी महिलाओं को प्रेरणा देने वाली होती हैं। एक्ट्रेस की ‘क्वीन’, ‘तेजस’, ‘पंगा’, ‘तनु वेड्स मनु’, ‘मणिकर्णिका’, और ‘सिमरन’ जैसी फिल्मों को खूब सराहा गया। ये सभी फिल्में महिलाओं के अलग रूप और शक्ति को दिखाती हैं। जहां ‘क्वीन’ में कंगना ने एक अकेली लेकिन सशक्त महिला का रोल प्ले किया, वहीं ‘मणिकर्णिका’ में वे तेज-तर्रार योद्धा के रूप में दिखीं। कंगना रनौत के अलावा, हिंदी सिनेमा से लेकर दक्षिण सिनेमा में भी सभी अभिनेता और अभिनेत्रियों ने महिला दिवस पर बधाई दी, जिनमें कमल हासन और अल्लू अर्जुन जैसे विख्यात कलाकार भी शामिल रहे।

(साभार एजेंसी)

संजू सैमसन को कहा 'दुखी मत हों'

रोहित शर्मा ने खोला वायरल बातचीत का राज

नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के बीच हुई एक बातचीत का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। अब रोहित शर्मा ने खुद बताया है कि उन्होंने सैमसन को 'दुखी मत हो' क्यों कहा था। रोहित का कहना है कि वह समझ सकते हैं कि जब किसी खिलाड़ी को लंबे समय तक मौका नहीं मिलता तो वह कैसा महसूस करता है।

वायरल हुआ रोहित और सैमसन का वीडियो

दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक अहम मुकाबले में नाबाद 97 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद रोहित शर्मा और सैमसन की बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।इस वीडियो में रोहित सैमसन को समझाते नजर आए थे कि वह निराश न हों क्योंकि टूर्नामेंट लंबा है और मौका कभी भी मिल सकता है। बाद में वही बात सच साबित हुई और सैमसन ने लगातार दो मैचों में मैच जिताने वाली पारियां खेलीं।

'मैं खिलाड़ी की भावना समझ सकता हूं'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले आईसीसी से बातचीत में रोहित शर्मा ने बताया कि उन्होंने सैमसन को इसलिए समझाया क्योंकि वह खुद भी ऐसे हालात से गुजर चुके हैं।रोहित ने कहा, 'कभी-कभी मैं खिलाड़ी की भावनाओं को महसूस कर सकता हूं। मैं भी ऐसे दौर से गुजरा हूं जब किसी बड़े टूर्नामेंट में मौके नहीं मिले। ऐसे समय में फोकस बनाए रखना जरूरी होता है और निराश नहीं होना चाहिए। मुझे लगा कि संजू भी उसी स्थिति में है।'

टीम से बाहर हो गए थे सैमसन

रोहित शर्मा ने आगे बताया कि सैमसन लगातार टीम इंडिया के लिए खेल रहे थे, लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था।रोहित ने कहा, 'मैं बस उसे यह बताना चाहता था कि टूर्नामेंट लंबा है और क्रिकेट में कभी भी कुछ भी हो सकता है। इसलिए मैंने उसे भरोसा दिलाया कि उसका मौका जरूर आएगा। और जब मौका मिला तो उसने शानदार पारी खेली।'

रोहित की 'पेप टॉक' की कहानी

रोहित और सैमसन के बीच ऐसी बातचीत पहले भी हो चुकी है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल से पहले भी रोहित ने आखिरी समय में सैमसन को बताया था कि वह मैच नहीं खेल पाएंगे।बाद में सैमसन ने खुलासा किया था कि उन्होंने रोहित से कहा था कि उन्हें अफसोस है कि वह इतने महान कप्तान के साथ ज्यादा मैच नहीं खेल पाए।

लक्ष्य सेन पहुंचे फाइनल में

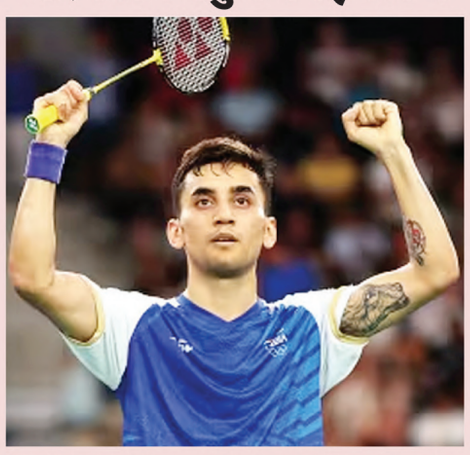

बर्मिंघम, एजेंसी। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। लक्ष्य दो बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में कनाडा के विक्टर लाई को हराते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। 24 साल के लक्ष्य ने दाहिने पैर के अंगूठे में छालों के बावजूद एक घंटे 37 मिनट तक चले मुकाबले में विक्टर लाई को 21-16, 18-21, 21-15 से मात दी। सेन के मेंटोर प्रकाश पादुकोण 1980 और 1981 में ऑल इंग्लैंड फाइनल में पहुंचे थे, और उन्होंने पहली बार में ही खिताबी मुकाबले में जीत दर्ज की थी। शनिवार को सेन और लाई के बीच हुए सेमीफाइनल मैच में दोनों खिलाड़ियों के स्टैमिना का टेस्ट हुआ, क्योंकि उन्होंने कई रैलियां कीं जो 50 स्ट्रोक से ज्यादा चलीं। सेन की अतिरिक्त गेयर ढूंढने की काबिलियत ने ही भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में मदद की। लक्ष्य ने पहले गेम को 17-16 से अपने नाम किया। हालांकि, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाले पहले कैनेडियन खिलाड़ी लाई ने दूसरे गेम में वापसी की और मिड-गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। छालों से जूझ रहे सेन ने जबरदस्त वापसी की और स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। हालांकि, लाई ने एक बार फिर बढ़त बनाई और डिसाइडर में गेम को अपने नाम कर लिया। 24 वर्षीय लक्ष्य ने अपनी सूझबूझ के दम पर अगले गेम में 15-9 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अंत तक लड़ने के लिए मशहूर लाई ने उन्हें कड़ी टक्कर दी और स्कोर को 17-15 तक पहुंचा दिया।

तजिंदरपाल सिंह ने बढ़ाया मान, 20 मीटर से अधिक के थ्रो के साथ गोला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता।एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के 31 वर्षीय एथलीट ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20.51 मीटर की दूरी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता।पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में दो दिवसीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद तूर ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। तूर ने दो अन्य प्रयासों (20.02 मीटर और 20.07 मीटर) में भी 20 मीटर का आंकड़ा पार किया जिससे संकेत मिलता है कि उनका प्रशिक्षण सत्र अच्छा चल रहा था। उनके अन्य तीन प्रयास विफल रहे। तूर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 21.17 मीटर जून 2023 में बना था। इस सत्र में उनका मुख्य लक्ष्य जापान के आइची-नागोया एशियाई खेलों में अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए साल के अंत तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। पटियाला में शनिवार को आयोजित हैमर थ्रो प्रतियोगिता में रिलायंस का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वर्ण पदक विजेता दमनीत सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 70.64 मीटर था जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड 70.73 मीटर से कम रहा।

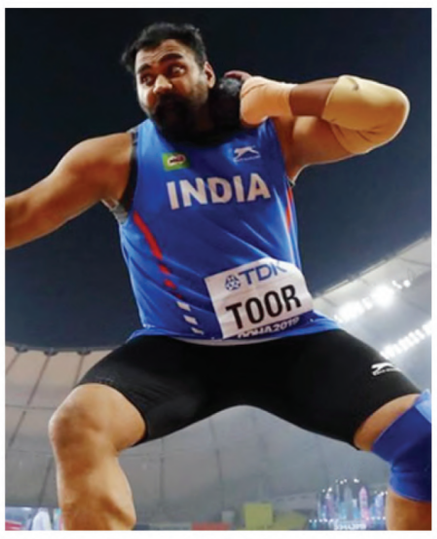

अमीलिया ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा : वनडे में 7 विकेट लिए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है।जैकी लॉर्ड का 1982 में बना रिकॉर्ड तोड़ा अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं।जिम्बाब्वे की पारी 102 रन पर सिमटी न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया। न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाईं। दुनिया की 7वीं गेंदबाज बनीं अमीलिया अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए।

हीली की यादगार विदाई, टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 10 विकेट से जीत

पर्थ (एजेंसी)। *पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को करारी शिकस्त देते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज की। कप्तान एलिसा हीली ने अपने विदाई मुकाबले को यादगार बनाते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई, जबकि एनेबेल सदरलैंड ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करते हुए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता।पर्थ के ग्राउंड में खेले गए इस महिला पिंक-बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। भारत ने दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए फॉलो-ऑन से बचने की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य केवल 25 रन का रह गया जिसे ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने मल्टी-फॉर्मेट सीरीज भी 12-4 से अपने नाम कर ली।*

प्रतिका रावल और स्नेह राणा की संघर्षपूर्ण साझेदारी

तीसरे दिन भारत ने 105/6 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई। प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। प्रतिका ने दिन की पहली बाउंड्री लगाई, 105 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की; हालांकि एश्ले गार्डनर ने स्नेह राणा को 30 रन पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी।

निचला क्रम जल्दी सिमटा

इसके बाद भारतीय बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई। कश्वी गौतम अलाना किंग की गेंद पर स्लिप में कैच देकर शून्य पर आउट हुईं; सायली सटघरे भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 रन बनाकर आउट हो गईं, आखिरकार प्रतिका रावल आखिरी विकेट के रूप में आउट हुईं। उन्होंने 137 गेंदों में 63 रन की जुझारू पारी खेली जिसमें 8 चौके शामिल थे। भारत की पूरी टीम 149 रन पर सिमट गई।

25 रन का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के लिए आसान

25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर मैच खत्म कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से आसान जीत दर्ज की और हीली का विदाई मैच जीत के साथ समाप्त हुआ इस मैच की सबसे बड़ी स्टार एनेबेल सदरलैंड रहीं। पहली पारी में 4 विकेट, दूसरी पारी में 2 विकेट, बल्लेबाजी में 129 रन; उनकी 129 रन की पारी में 17 चौके शामिल थे और उन्होंने एलिस पेरी (76) के साथ चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाए थे। भारत की ओर से सायली सटघरे ने 4 विकेट लिए।

डोमेस्टिक टूर्नामेंट में ब्रेट ने लिए पांच गेंदों में पांच विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के घरेलू टूर्नामेंट प्लंकेट शील्ड में 8 मार्च को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के ब्रेट रैंडेल नाम के तेज गेंदबाज ने इतिहस रच दिया। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के बीच नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले जा रहे मुकाबले में रैंडेल ने पहली पारी में लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट झटक लिए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में पहली बार किसी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके हैं। इससे पहले आयरलैंड के ऑलराउंडर कर्टिस कैम्फर ने 2021 में एक घरेलू टी-20 मैच में लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट झटके थे। रैंडेल की गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की टॉप ऑर्डर ढह गई। टीम 9 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी, वह भी सिर्फ रैंडेल की पांच गेंदों में। रैंडेल ने अपनी दूसरी ओवर की आखिरी गेंद पर ओपनर हेनरी कूपर को बोल्ड किया।

गुकेश ने स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने कल चेक गणराज्य में आयोजित प्राग अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो को हराया। भारत के अरविंद चिदंबरम ने अंतिम दौर में चेक गणराज्य के डेविड नवारा को हराकर 5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे। चैलेंजर्स वर्ग में, भारत की दिव्या देशमुख ने चेक गणराज्य की हर्बेक स्टेपन को हराकर 5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली 4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

मिडिल-ईस्ट तनाव के कारण आईसीसी की दोहा मीटिंग टली

अब अप्रैल में हो सकती है, नई तारीख अभी तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 25 से 27 मार्च के बीच दोहा (कतर) में होने वाली अपनी बोर्ड और कमेटी मीटिंग को फिलहाल टाल दिया है। अब यह बैठक अप्रैल में होने की संभावना है, हालांकि नई तारीख अभी तय नहीं की गई है। आईसीसी नए तारीख पर विचार कर रहा यह बैठक आईसीसी के गवर्नेंस कैलेंडर का हिस्सा थी, जिसमें बोर्ड डायरेक्टर्स, बोर्डस के चीफ एग्जीक्यूटिव, कमेटी सदस्य और सीनियर अधिकारी शामिल होने वाले थे। बैठक में ग्लोबल क्रिकेट से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होनी थी।

इससे पहले आईसीसी ने 22 फरवरी को घोषणा की थी कि बैठक दोहा में आयोजित होगी, क्योंकि कतर में क्रिकेट के विकास और वहां के खेल इकोसिस्टम के साथ द्वृष्टष्ट की साझेदारी तेजी से बढ़ रही है। फिलहाल, आईसीसी नए वेन्यू और तारीख पर विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि हालात सामान्य होने पर अप्रैल में यह बैठक कराई जा सकती है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह आज अहमदाबाद में रहेंगे आज टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मौके पर आईसीसी के चेयरमैन जय शाह समेत काउंसिल के कई अधिकारी शहर में मौजूद रह सकते हैं। अहमदाबाद जय शाह का होमटाउन भी है। फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगी। इस वजह से न्यूजीलैंड के चेयरमैन रोजर ट्वोस के भी आज रात नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद रहने की संभावना है। जंग का आज नौवां दिन अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज नौवां दिन है। इस जंग में अब तक 1483 मौत हुई है। अब तक इजराइल के 1765 लोग घायल हुए हैं। ईरान में अब तक 6,668 सिविल इलाकों को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में 5,535 घरों और 1041 दुकानें को नुकसान पहुंचा।

10000 रुपए में बेच रहे थे भारत बनाम न्यूजीलैंड फाइनल के टिकट, दो लोगों को पुलिस ने पकड़ा

अहमदाबाद(एजेंसी)। अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के टिकट गैर-कानूनी तरीके से ज्यादा कीमत पर बेचे थे। मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। एक टिप पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने उस्मानपुरा गुजरात विद्यापीठ स्ज्ञ. बस स्टैंड के पास जाल बिछाया, जहां दो लोगों को रोका गया और उनकी तलाशी ली गई। उनके पास से मैच के 8 टिकट मिले। आरोपियों ने टिकट पहले ही ऑनलाइन खरीद लिए थे और उन्हें असली कीमत से तीन गुना ज्यादा कीमत पर बेच रहे थे, फैंस से हर टिकट के लिए 10,000 रुपए ले रहे थे। सभी टिकट जब्त कर लिए गए हैं और दोनों लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस रैकेट में कोई बड़ा नेटवर्क शामिल है। यह गिरफ्तारी अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक चेतावनी देने के बाद हुई है कि ब्लैक मार्केट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बालेंद्र शाह की आरएसपी ने इतिहास रचा नेपाल चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की

» काठमांडू, भाषा।

रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल में सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। पीटीं ने नेपाल के आम चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल की है, जिससे राजनीतिक रूप से अस्थिर देश में स्थापित पुरानी पार्टियों का सफाया हो गया है। नेपाल के निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, रवि लामिछाने द्वारा 2022 में गठित इस पार्टी ने उन 165 सीट में से 117 सीट पर पहले ही जीत हासिल कर ली है जिनके लिए प्रत्यक्ष मतदान प्रक्रिया के तहत निर्वाचन किया जाता है। जबकि प्रतिनिधि सभा के चुनाव में पार्टी आठ अन्य सीट पर आगे है। निर्वाचन आयोग द्वारा अब तक 165 सीट में से 152 सीट के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। नेपाली कांग्रेस (एनसी) 17 सीट जीतकर दूसरे स्थान पर है।

प्रधानमंत्री के पद से हटाए गए के पी शर्मा ओली की नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने केवल सात सीट जीती हैं और तीन सीट पर आगे है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) सात सीट पर विजई रही और श्रम संस्कृति पार्टी ने दो सीट पर जीत दर्ज की है और एक पर आगे है जबकि राष्ट्रीय प्रजापति पार्टी (आरपीपी) ने एक सीट जीती है। जीतने वालों में एक निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, आरएसपी ने काठमांडू घाटी के तीन जिलों के सभी 15 निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य पार्टियों का सूपड़ा साफ कर दिया है। बालेन के नाम से मशहूर आरएसपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार 35 वर्षीय बालेंद्र शाह ने झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में नेपाल की सबसे पुरानी पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोट के भारी अंतर से हराया। नेपाल के निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बताया कि बालेन को 68,348 वोट मिले जबकि 74 वर्षीय ओली को 18,734 वोट मिले। बालेन का नेपाल का अगला प्रधानमंत्री बनने की संभावना है। वहीं, इस चुनाव में आरएसपी की जीत देश में स्थापित दलों को जनता द्वारा नकारे जाने को दर्शाती है। बालेन हिमालई देश के पहले मधेसी प्रधानमंत्री होंगे और साथ ही नेपाल के संसदीय इतिहास में सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा व्यक्ति भी होंगे। पुरानी पार्टियां उन मतदाताओं को भरोसे में लेने में नाकाम रहीं जिनके लिए भ्रष्टाचार से लड़ाई, भाई-भतीजावाद का अंत और देश की राजनीतिक नेतृत्व में पीढ़ीगत बदलाव प्रमुख मुद्दे थे। आरएसपी नेता इंदिरा राना मगर ने भंग की गई प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष और सीपीएन-यूएमएल के वरिष्ठ नेता देव राज घिमिरे को हराकर झापा-2 से जीत हासिल की। राना मगर ने घिमिरे के खिलाफ 48,742 वोट के भारी अंतर से जीत हासिल की जबकि घिमिरे को 11,368 वोट मिले। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन थापा (49) धनुषा-4 निर्वाचन क्षेत्र से आरएसपी के अमरेश सिंह से हार गए। पार्टी ने थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सिंह को 33,688 वोट मिले जबकि थापा को 22,831 वोट मिले। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गुरु राज घिमिरे, शेखर कोइराला और बिमलेंद्र निधि सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी हार का सामना करना पड़ा। सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल समेत पार्टी के दस महासचिव भी चुनाव हार गए। हार का मुंह देखने वाले सीपीएन-यूएमएल के अन्य नेताओं में उपाध्यक्ष बिष्णु पौडेल, पृथ्वी सुब्बा गुरुंग और गोकर्ण बिस्ता, उप महासचिव रघुबीर महासेठ व सचिव शेरधन राय, महेश बस्नेत, राजन भट्टराई एवं भानुभक्त ढकाल शामिल हैं। श्रम संस्कृति पार्टी के अध्यक्ष हरका राय ने आरएसपी उम्मीदवार गोमा तमांग को हराकर सुनसारी-1 से जीत हासिल की। आरएसपी अध्यक्ष लामिछाने ने चितवन-2 निर्वाचन क्षेत्र से भारी अंतर से जीत हासिल की, यह उनकी लगातार तीसरी जीत है। उन्होंने 54,402 वोट प्राप्त किए जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी, एनसी की मीना कुमारी खरेल को 14,564 वोट मिले। निर्वाचन आयोग के अनुसार, पुष्प कमल दाहाल प्रचंड रुकुम पूर्व में जीत गए हैं। उन्होंने 10,240 वोट हासिल किए, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सीपीएन (यूएमएल) के लीलामणि गौतम को 3,462 वोट मिले। आरपीपी के ज्ञानेंद्र शाही ने करनाली प्रांत के जुमला निर्वाचन क्षेत्र से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, एनसीपी के नरेश भंडारी को हराकर जीत हासिल की और राजशाही समर्थक पार्टी के एकमात्र उम्मीदवार बन गए जिन्होंने प्रतिनिधि सभा में सीट हासिल की। इस चुनाव में 10 महिला उम्मीदवार विजई हुई - नौ आरएसपी से और एक एनसी से। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा के चुनाव में लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ था। मतों की गिनती बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई और रविवार को मतगणना जारी है। इस बीच, आनुपातिक मतदान प्रणाली में भी आरएसपी 18,15,857 वोटों के साथ आगे है, उसके बाद नेपाली कांग्रेस 6,18,630 वोट के साथ दूसरे स्थान पर है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सीपीएन-यूएमएल को 5,19,353 वोट, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 2,45,804, आरपीपी को 1,31,277 और श्रम संस्कृति पार्टी को 78,072 वोट मिले हैं भारत इस चुनाव पर करीब से नजर रख रहा है। वह राजनीतिक रूप से अस्थिर हिमालई देश में एक स्थिर सरकार की उम्मीद कर रहा है ताकि दोनों पक्षों के बीच विकासात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नेपाल की जनता और सरकार को चुनाव के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने नेपाली बहनों और भाइयों को इतने जोश के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते देखकर खुशी महसूस हो रही है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में एक गौरवपूर्ण क्षण है।

दो दिवसीय प्रदर्शन के दौरान कुल 76 लोग मारे गए थे

नेपाल : जेन जेड प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की जांच के लिए गठित आयोग ने सरकार को रिपोर्ट सौंपी

» काठमांडू , भाषा।

नेपाल में पिछले साल सितंबर में जेन जेड के प्रदर्शनों के दौरान हुई हत्याओं, आगजनी और तोडफ़ोड़ की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय आयोग ने रविवार को अपनी रिपोर्ट अंतरिम सरकार को सौंप दी। रिपोर्ट में तत्कालीन प्रशासन के कुप्रबंधन और अक्षमता को दोषी ठहराया गया है। सिंह दरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को जांच रिपोर्ट सौंपी गई, हालांकि आयोग प्रमुख और सरकार दोनों ने ही जेन जेड के प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के नाम और अन्य संबंधित मुद्दों का खुलासा नहीं किया। दो दिवसीय प्रदर्शन के दौरान कुल 76 लोग मारे गए थे, जिनमें आठ सितंबर को 22 युवक और अगले दिन 54 अन्य लोगों की मौत हुई थी।

सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के एक सप्ताह बाद 21 सितंबर को मंत्रिमंडल के एक निर्णय के परिणामस्वरूप, सितंबर में हुए विरोध प्रदर्शनों से संबंधित घटनाओं की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया। आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने कहा कि यह घटना मुख्य रूप से तत्कालीन सरकार के कुशासन और अक्षमता के कारण घटी। उन्होंने कहा कि नौकरशाही और न्यायिक निकायों सहित सरकारी संस्थानों के राजनीतिकरण से लोग हताश थे। आयोग के अध्यक्ष कार्की ने रिपोर्ट सौंपने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, जेन जेड के प्रदर्शन के दौरान युवाओं पर गोली चलाने और आदेश जारी करने वालों के साथ-साथ हत्याओं को रोकने के लिए कार्रवाई न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। उन्होंने अन्य विवरण नहीं दिए। कार्की ने कहा कि आयोग ने ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाते हुए रिपोर्ट तैयार की और जांच के दौरान प्राप्त सभी तथ्यों को बिना किसी पूर्वाग्रह के रिपोर्ट में शामिल किया। उन्होंने कहा, अब सिफारिशों को लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। आयोग के अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अगर सरकार इन्हें लागू करने में विफल रहती है, तो देश में एक और जेन जेड आंदोलन हो सकता है। जेनरेशन जेड 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी है।

ईरान ने ताजा हमलों में 16 बैलिस्टिक मिसाइलें और 117 ड्रोन दागे : यूएई

» दुबई, भाषा।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का कहना है कि ईरान ने रविवार को ताजा हमलों में 16 बैलिस्टिक मिसाइलें और 117 से अधिक ड्रोन दागे हैं। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सभी 16 मिसाइलों को मार गिराया, जबकि 17वीं मिसाइल समुद्र में गिर गई।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने ईरान की ओर से दागे गए अधिकांश ड्रोन को आसमान में ही नष्ट कर दिया, लेकिन चार ड्रोन संयुक्त अरब अमीरात की धरती पर गिरे। मंत्रालय ने कहा कि वह इन हमलों का दृढ़तापूर्वक सामना करने के लिए तैयार है। इससे पहले, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने इजराइल और अमेरिका द्वारा जारी हमलों के मद्देनजर रविवार को पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले बढ़ाने की धमकी दी थी।

इजराइल-हिजबुल्ला संघर्ष में 83 बच्चों समेत 394 लोगों की मौत : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री

दुबई। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने रविवार को कहा कि इजराइल और चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच पिछले सप्ताह शुरू हुए संघर्ष में अब तक 83 बच्चों सहित 394 लोगों की मौत हो चुकी है। हिजबुल्ला की ओर से संघर्ष के शुरुआती दिनों में उत्तरी इजराइल की ओर रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइल ने पिछले सप्ताह अपने हमले फिर से शुरू कर दिए।

अंतरराष्ट्रीय कानून निष्प्रभावी हुए, यूएनएससी का पी-5 शिखर सम्मेलन बुलाया जाए : रूस

» मास्को, भाषा।

रूस ने कहा है कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून निष्प्रभावी हो गए हैं। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के पांच स्थाई सदस्यों (पी-5) का शिखर सम्मेलन बुलाने के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रस्ताव पर अमल करने का आह्वान किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति पुतिन के उस प्रस्ताव पर फिर से विचार करने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, जो उन्होंने कोविड-19 महामारी से पहले दिया था, जिसमें वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता पर चर्चा करने के लिए पी-5 के शिखर सम्मेलन का आह्वान किया गया था।

पेस्कोव ने सरकारी टीवी चैनल रॉसिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हम सबने अंतरराष्ट्रीय कानून नाम की चीज़ खो दी है... मुझे तो यह भी समझ नहीं आता कि किसी से अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों और सिद्धांतों का पालन करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। असल में, अंतरराष्ट्रीय कानून का अस्तित्व ही खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कानूनी तौर पर मौजूद हैं, लेकिन अब वास्तविक रूप से नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम किसी को यह नहीं बता सकते कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करो, किस कानून का पालन करो? आज कोई भी यह परिभाषित नहीं कर सकता कि वह कानून क्या है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद तनाव में हुई तीव्र वृद्धि का जिक्र करते हुए पेस्कोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति काफी हद तक अस्थिर हो गई है। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र काफी हद तक अस्थिर हो गया है, और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय संघर्षों और अनसुलझे मुद्दों के संचई प्रभाव के परिणामस्वरूप आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं। इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका को अपनी व्यापक योजनाओं को स्पष्ट करना चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मानदंडों से कैसे संबंधित हैं।

रूस के ईरान को खुफिया जानकारी देने संबंधी खबरों को ट्रंप ने तवज्जो नहीं दी

डोरल (अमेरिका)। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य कर्मियों एवं संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए ईरान के साथ रूस द्वारा सूचना साझा करने की खबरों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को तवज्जो नहीं दी। अमेरिकी और इजराइल द्वारा ईरान पर युद्ध शुरू करने के एक दिन बाद कुवैत में ड्रोन हमले में मारे गए सेना के छह सैनिकों के राजकीय सम्मान से हुए अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सूचना साझा करने संबंधी इस तरह की खबरों को खारिज कर दिया। ट्रंप ने एसोसिएटेड प्रेस और अन्य समाचार संस्थाओं की उन रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी खुफिया अधिकारियों का मानना है कि रूस ने ईरान को खुफिया जानकारी साझा की जिसके कारण ईरान ने अमेरिकी लक्ष्यों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति इस तरह की खबरों को तूल नहीं देते हुए कहा कि अगर रूस इस तरह की जानकारी दे भी रहा है तो ईरान को इससे कुछ खास फायदा नहीं होगा। ट्रंप ने मियामी जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से कहा, पिछले हफ्ते ईरान के साथ जो हुआ है अगर आप उस पर नजर डालें तो उससे उन्हें ज्यादा मदद होती नहीं दिख रही।

भारत एवं चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं साझेदार की तरह देखना चाहिए: विदेश मंत्री वांग ई

» बीजिंग, भाषा।

चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने रविवार को बीजिंग में कहा कि भारत और चीन को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वियों के बजाय साझेदार और खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। वांग ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों देशों को बिना किसी हस्तक्षेप के संबंधों को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा निर्धारित मार्ग का पालन करना चाहिए। वांग ने कहा कि मोदी और शी की पिछले साल अगस्त में तियानजिन में सफल बैठक हुई थी।

उन्होंने कहा, 2024 में कजान में हुई उनकी बैठक से मिली नई शुरुआत को आगे बढ़ाते हुए तियानजिन शिखर सम्मेलन ने चीन-भारत संबंधों में और सुधार किया। उन्होंने कहा, सभी स्तरों पर नए सिरे से सक्रिय हुई बातचीत, द्विपक्षीय व्यापार में एक नया रिकॉर्ड और लोगों के बीच निकट आदान-प्रदान देखकर हमें बेहद खुशी हो रही है। इन सभी से दोनों देशों की जनता को ठोस लाभ हुए हैं। वांग ने संबंधों के भविष्य के स्वरूप पर कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे के प्रति प्रतिद्वंद्वी के बजाय भागीदार के रूप में और खतरे के बजाय अवसर के रूप में सही रणनीतिक दृष्टिकोण बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को अच्छे पड़ोसी के संबंधों और मित्रता को बनाए रखना चाहिए तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता की संयुक्त रूप से रक्षा करनी चाहिए तथा विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वांग ने कहा, एक-दूसरे के महत्वपूर्ण पड़ोसी और ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते, चीन और भारत के बीच गहन सभ्यतागत संबंध हैं और वे व्यापक साझा हितों को साझा करते हैं। ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। चीनी विदेश मंत्री ने कहा, आपसी विश्वास और सहयोग दोनों देशों के विकास के लिए लाभकारी है जबकि विभाजन और टकराव एशिया के पुनरुत्थान के लिए हानिकारक है। उन्होंने विस्तार से बताए बिना कहा कि दोनों पक्षों को नेताओं द्वारा निर्धारित मार्ग का पालन करना चाहिए और हस्तक्षेप को दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और चीन को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी में एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए। भारत इस वर्ष शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला है, जबकि चीन 2027 में इसकी मेजबानी करेगा। दुनिया की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका मूल सदस्य हैं लेकिन बाद में सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान को शामिल कर इसके सदस्य देशों का विस्तार किया गया।

न्यूज ब्रीफ

आईरिस देना के 22 ईरानी नाविकों को श्रीलंका के अस्पताल से छुट्टी मिली

» कोलंबो, भाषा।

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त हुए ईरानी नौसेना पोत आईरिस देना के कम से कम 22 नाविकों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। अस्पताल अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया, भारी सुरक्षा के बीच ईरानी सैन्यकर्मियों को एंबुलेंस से गाले के बाहरी इलाके कोग्गला स्थित श्रीलंका वायु सेना केंद्र भेजा गया। करापितिया स्थित राष्ट्रीय अस्पताल गाले में 10 अन्य नाविकों का इलाज किया जा रहा है। श्रीलंका के दक्षिणी तट पर स्थित गाले के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी के टॉरपीडो से किए गए हमले में ईरानी नौसेना के पोत आईरिस देना के डूब जाने के बाद उन्हें बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

श्रीलंका ने बुधवार को कहा कि उसने हमले में मारे गए 84 ईरानी नाविकों के शव बरामद किए हैं। नौसैनिक पोत समीक्षा अभ्यास के बाद भारत के विशाखापत्तनम से स्वदेश लौट रहा था। श्रीलंका ने शनिवार को कहा कि उनके शवों को वापस स्वदेश भेजने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार ने कहा कि स्थिति में अभी सुधार नहीं हुआ है, इसलिए उन्हें हवाई या समुद्री मार्ग से भेजने का प्रयास करना संभव नहीं है। दक्षिणी बंदरगाह शहर गाले में पांच मार्च को मजिस्ट्रेट जांच और 84 शवों का पोस्टमार्टम पूरा हो गया। जीवित बचे लोगों ने 84 कर्मियों में से 80 की पहचान कर ली।

ओस्लो में अमेरिकी दूतावास के बाहर संदिग्ध विस्फोट, जांच शुरू

» ओस्लो, भाषा।

नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में शनिवार देर रात अमेरिकी दूतावास के बाहर हुए संदिग्ध विस्फोट की घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ओस्लो पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस को देर रात लगभग एक बजे तेज धमाके की सूचना मिली। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के संबंध में अभी अन्य कोई विवरण नहीं मिल पाया है। ओस्लो में अमेरिकी दूतावास और पुलिस ने इस बारे में टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

इजराइल की चेतावनी के बीच ईरान में रात भर हमले जारी

» दुबई, भाषा।

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में एक तेल भंडारण सुविधा के ऊपर आग की लपटों के गुबार उठते दिखाई दिए और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सप्ताह भर से जारी युद्ध के अगले चरण में कई आश्चर्यजनक कदम उठाए जाने की चेतावनी दी। इजराइल की सेना ने पुष्टि की कि उसने तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध में पहली बार किसी असैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान को निशाना बनाया गया है। सरकारी मीडिया ने राजधानी और उत्तर में पड़ोसी प्रांतों को आपूर्ति करने वाले इस केंद्र पर हमलों के लिए अमेरिका और यहूदी शासन को जिम्मेदार ठहराया।

नेतन्याहू ने शनिवार रात कहा कि ईरान में युद्ध के अगले चरण के लिए इजराइल के पास कई आश्चर्यजनक कदमों की एक सुनियोजित योजना है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य ईरान में शासन को अस्थिर करना और परिवर्तन को संभव बनाना है। इससे पहले, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पड़ोसी देशों पर हमलों के लिए शनिवार को माफी मांगी जबकि इस बीच उनके देश ने खाड़ी अरब देशों पर मिसाइल और ड्रोन दागना जारी रखा। ईरान के कट्टरपंथियों ने जोर देकर कहा कि तेहरान की युद्ध रणनीति नहीं बदलेगी। युद्ध में तनाव कम करने की कोशिश करने वाले नेताओं और अमेरिका एवं इजराइल से लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध अन्य कट्टरपंथियों के बीच मतभेद किसी भी कूटनीतिक प्रयास को जटिल बना सकते हैं। युद्ध के दौरान शुरुआती हवाई हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद से ईरान की निगरानी कर रही नेतृत्व परिषद के तीन सदस्यों में से दो की ओर से परस्पर विरोधी बयान आए। पेजेश्कियान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग खारिज कर दी। पेजेश्कियान ने कहा, यह एक ऐसा सपना है, जिसे उन लोगों को अपने साथ कब्र में ले जाना चाहिए। पेजेश्कियान के संदेश के तुरंत बाद, ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चेतावनी दी कि युद्ध में और भी ईरानी अधिकारी निशाने पर आएंगे। उन्होंने लिखा, आज ईरान पर जबरदस्त प्रहार किया जाएगा। ट्रंप ने अपनी वेबसाइट ट्रुथ सोशल पर ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्होंने तेहरान के हमलों को लेकर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्वारा पड़ोसी देशों से माफी मांगने का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, ईरान के खराब व्यवहार के कारण अब ऐसे इलाकों और लोगों के समूहों को भी निशाना बनाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, जिन्हें निशाना बनाने के बारे में अब तक नहीं सोचा गया था। ईरानी राष्ट्रपति ने हमलों को लेकर खाड़ी अरब देशों में बढ़ते आक्रोश को शांत करने की कोशिश की। वहीं कुछ ही घंटे पहले, मिसाइल और ड्रोन हमलों ने दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों को बाधित किया।

इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को निशाना बनाने तथा सरकार को गिराने की कोशिश करने के लिए हमले किए

बहरीन में ईरानी ड्रोन हमले में विलवणीकरण संयंत्र को नुकसान पहुंचा

» दुबई, भाषा।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के नौवें दिन इजराइल ने रविवार तड़के दक्षिणी लेबनान पर हमले तेज कर दिए और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध के अगले चरण में कई आश्चर्यजनक कदम उठाए जाने की चेतावनी दी। बहरीन ने रविवार को कहा कि ईरान के ड्रोन हमले से उसके एक विलवणीकरण (खारे पानी को पीने योग्य बनाना) संयंत्र को नुकसान पहुंचा है। इस युद्ध के दौरान ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी अरब देश ने ईरान द्वारा विलवणीकरण संयंत्र को निशाना बनाने की घटना की जानकारी दी है। फारस की खाड़ी के तट पर सैकड़ों विलवणीकरण संयंत्र स्थित हैं और इस क्षेत्र के अरब देश पीने के पानी के लिए इन संयंत्रों पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

लेबनान में हुए हालिया हमलों में 12 और लोग मारे गए, जिससे वहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 300 से अधिक हो गई है। उसकी सेना ने कहा कि यह हमला ईरान समर्थित बलों को खत्म करने के उद्देश्य से किया गया था। इससे पहले इजराइल ने लेबनान के बड़े हिस्से को खाली करने का आदेश दिया था। इजराइल और अमेरिका ने 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत करते हुए कहा था कि उन्होंने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को निशाना बनाने तथा सरकार को गिराने की कोशिश करने के लिए हमले किए। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। इस युद्ध का व्यापक पैमाने पर असर दिख रहा है, वैश्विक बाजार हिल गए हैं, हवाई यात्रा बाधित हुई है और सैकड़ों इजराइली एवं अमेरिकी हवाई हमलों से ईरान का नेतृत्व कमजोर हो गया है। ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अपने पड़ोसी देशों पर मिसाइल एवं ड्रोन दागे हैं, इजराइल ने लेबनान में हमले तेज कर दिए हैं और साइप्रस से लेकर श्रीलंका के तटवर्ती जलक्षेत्र तक हमले होने की खबरें आई हैं। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में एक तेल भंडारण सुविधा के ऊपर आग की लपटें उठती दिखीं। इजराइल की सेना ने पुष्टि की कि उसने तेहरान में ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया। ऐसा प्रतीत होता है कि युद्ध में पहली बार किसी असैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठान को निशाना बनाया गया है। सरकारी मीडिया ने राजधानी और उत्तर में पड़ोसी प्रांतों को आपूर्ति करने वाले इस केंद्र पर हमलों के लिए अमेरिका और यहूदी शासन को जिम्मेदार ठहराया। नेतन्याहू ने शनिवार रात कहा कि ईरान में युद्ध के अगले चरण के लिए इजराइल के पास कई आश्चर्यजनक कदमों की एक सुनियोजित योजना है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य ईरान में शासन को अस्थिर करना और परिवर्तन को संभव बनाना है। इससे पहले, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने पड़ोसी देशों पर हमलों के लिए शनिवार को माफी मांगी, जबकि इस बीच उनके देश ने खाड़ी अरब देशों पर मिसाइल और ड्रोन दागना जारी रखा। ईरान के कट्टरपंथियों ने जोर देकर कहा कि तेहरान की युद्ध रणनीति नहीं बदलेगी। पेजेशिकयान ने रविवार को सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित अपने बयान में एक बार फिर सुलह का रुख अपनाते हुए ईरान के पड़ोसियों को मित्र एवं भाई बताया तथा अमेरिका एवं इजराइल पर उनके बीच मतभेद पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम दादागिरी, अन्याय या अतिक्रमण के आगे सिर नहीं झुकाएंगे। पेजेश्कियान और अन्य ईरानी नेताओं ने रेखांकित किया है कि ईरान के नेताओं का अपने उस अर्धसैनिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड पर सीमित प्रभाव है, जो इजराइल और अन्य देशों को निशाना बना सकने वाली मिसाइल को नियंत्रित करता है। यह रिवॉल्यूशनरी गार्ड केवल खामेनेई के प्रति जवाबदेह था और अब संघर्ष बढ़ने के साथ-साथ अपने लक्ष्य स्वयं चुनता प्रतीत हो रहा है। राष्ट्रपति उस नेतृत्व परिषद के तीन सदस्यों में से एक हैं, जो युद्ध के शुरुआती हवाई हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद से ईरान की निगरानी कर रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com